हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

9 फरवरी, 2004

खण्ड–1, अंक–1

अधिकृत विवरण

विशय सूची

सोमवार, 9 फरवरी, 2004

पृश्ठ संख्या

राज्य का अभिभशण	(1)1
सदन की मेज पर रखी गई प्रति	(1)1
शोक प्रस्ताव	(1)20
घोशणाए	(1)36

(क) अध्यक्ष द्वारा,	(1)36
(i) चेयरपर्सन्स के नामो की सूची	(1)36
(ii) याचिका समिति	(1)36
राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए गए बिलों संबंधी	(1)36
बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी का पहली रिपोर्ट पे ा करना	(1)37
एि ाया कप मे विजयी महिला हाकी टीम को बधाई	(1)40
सदन की मेज पर रखे गए/पुन रखे गए कागज पत्र	(1)41
वि ोशाधिकार मामलों के सबंध मे वि ोशाधिकार समिति के प्रारम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढाना	(1)44
(i) श्री जय प्रकाश बरवाला एम.एल.ए. के विरूद्ध	(1)44
(ii) श्री कर्ण सिंह दलाल एम.एल.ए. के विरूद्ध	(1)45
(iii) कैप्टल अजय सिंह यादय, श्री धर्मबीर सिंह तथा श्री जगजीत सिंह सांगवान, एम.एल.एज. के विरूद्ध	(1)46
(iv) श्री रघुवीर सिंह कादयान एम.एल.ए. के विरूद्ध	(1)47

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 9 फरवरी, 2004

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्ड़ीगढ़ में 12.12 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री सतबीर सिंह कादयान) ने अध्यक्षता की।

राज्यपाल का अभिभाशण

(सदन की मेज पर रखी गई प्रति)

Mr. Speaker: Hon'ble Members, in pursuance of Rule 18 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, I have to report that the Governor was pleased to address the Haryana Legislative Assembly today i.e 9th February, 2004 at 11.00 A.M Under Article 176(1) of the Constitution.

A Copy of the Address is laid on the Table of the House.

अध्यक्ष महोदय, एवम माननीय सभसदो,

हरियाणा विधान सभा के इस वर्श के पहले सत्र मे आप सभी का हार्दिक स्वागत करता हू तथा अपनी भ्ाुभकामनायें देता हू। मुझे पूर्ण वि वास ही नही बल्कि आ ाा भी है कि यह सत्र हरियाणावासियों के कल्याण से सम्बन्धित विभिन्न मामलों पर रचनात्मक विचार विर्म ा को समर्पित होगा।

सामाजिक आर्थिक लक्ष्यों का अनुसरण करते हुए, जैसा कि संविधान के नीति निर्दे ाक सिद्धान्तो मे वर्णित है, मेरी सरकार ने सामाजिक न्याय के उद्दे यों की प्राप्ति के लिए मार्गद र्ी एवम क्रांतिकारी नीतियां भाुरू तथा कार्यन्वित की है। समाज के विभिन्न वर्गों, समुदायों, समूहो एवम व्यक्ति वि ोश को उनकी प्रतिभ के अनुसार अपनी पूर्ण क्षमता का उपयोग करने का अवसर प्रदान करते हुए, हरियाणा ने अनेक नीतियां भाुरू की है जिनकी दे ाभर मे सराहना ही नही की जा रही है बल्कि अनेक राज्यो द्वारा उनका अनुसरण भी किया जा रहा है। मेरी सरकार के अनेक चुनौतियो का सामना करते हुए जन आकाक्षओं की पूर्ति की है और एक ऐसा मंच तैयार किया है, जिससे प्रदे ावासियों को ऐसी समृद्धि एवम खु ाहाली प्राप्त होगी, जिससे वे अब एक अनभिज्ञ थे। एक ठोस आधार तैयार किया गया है ताकि भावी पीढिया भोश दे ा के साथ केवल समुदाय के हितो की रक्षा करके तथा उन्हे कृशि विविधिकरण की ओर ले जाते हुए मेरी सरकार ने राज्य को एक आधुनिक छवि उपलब्ध करवाने मे की सफलता प्राप्त की है। आज यहा बडी बहुराश्ट्रीय कंपनियों ने आपस मे प्रतिस्पर्धा करते हुए हरियाणा को अपने गंतव्य के रूप मे चुना है। बिजली उत्पादन बढाने एवम निवे ाकों को प्रोत्साहित करने के लिए मेरी सरकार द्वारा किए गए सतत् प्रयासों के परिणामस्वरूप कृशि को प्रोत्साहित अर्थव्यवस्था तथा मार्गद र्ी प्रौधोगिकी पर आधारित उधोगो के चम्त्कारिक परिणाम सामने आये है। खाधान्नो के एक एक दाने की खरीद करते हुए पहली बार 505 रूपये प्रति

क्विंटल की दर से बाजरे की खरीद भी की गई। यह सुनिि चत करने के लिए कि राज्य के युवा आधुनिकीकरण की प्रक्रिया के लाभो से वचिंत न रह जांए, ि ाक्षा वि ोशकर तकनीकी ि ाक्षा मे दूरगामी सुधार किए गये है। मुझे पूर्ण वि वास है कि इन कदमो से भावी पीढिया पूर्ण आत्मवि वास एमव योग्यता के साथ जीवन की चुनौतियो का सामना करने मे सक्षम होगी।

लोगो के कल्याणो मार्गद र्ी एवम अनूठी योजनाए भाुरू करते हुए 5100 रूपये की कन्यादान योजना का विस्तार करके इसमे गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन कर रहे समाज के सभी वर्गो के परिवारो को भाामिल किया गया है। मेरी सरकार ने 'देवीरक्षक योजना' का भाुभारंभ करके प्रदे ा केउन सभी परिवारों, जिन्हे किसी भी प्रकार की सामाजिक सुरक्षा प्राप्त नही है, को बीमा सुरक्षा की सुविधा उपलब्ध करवाकर अग्रणी भूमिका निभाई है। इसी प्रकार, ''स्वास्थय आपके द्वार'' कार्यक्रम भाुरू कर मेरी सरकार ने प्रदे ा के हर नागरिक को मूलभूत स्वास्थय सेवाए उपलब्ध करवाने का प्रयास किया है। पहली बार गावों के विकास के कार्य भाुरू किया गया है, ताकि लोगो को वहा सभ्य जीवन की सभी मूलभूत सुविधांए उपलब्ध हो सके। इससे प्रदे ा के विकास को एक नया आयान मिलेगा। सूचना प्रौधोगिक के क्षेत्र मे देर से कार्य भाुरू करने के बावजूद मेरी सरकार के प्रयासों ने राज्यो को इस क्षेत्र मे एक अग्रणी प्रदे ा बनाया है।

मेरी सरकार दे ाभर मे सबसे छोटे मत्रिमडल के साथ कार्य कर रही है जिसने ने केवल राजनैतिक स्थिरता ही प्रदान की है बल्कि प्रदे ावासियो से किये गये वायदो को पूर्ण करने के लिये प्र ाासन को प्रेरित भी किया है। वास्तव मे संसद से उस अधिनियम को पारित करवाने के लिए मेरी सरकार एक आर्द ा रही जिसने सदन के सदस्यों की कुल संख्या के 15 प्रति ात मंत्री बनाने की सीमा निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया। प्रदे ा को स्वच्छ एवम पारद र्ी प्र ाासन प्रदान किया गया है। 'सरकार आपके द्वारा' कार्यक्रम के माध्यम से जन ि ाकायत निवारण पद्धति की भारत सरकार ने प्र ांसा की है और इस अन्य राज्यों के लिये अनुकरणीय माना है।

कर ढांचे को और आर्थिक तर्कसंगत बनाया गया है तथा वर्श 2003–2004 के दौरान 6226 करोड रूपये का राजस्व एकत्रित किया गया जबकि वर्श 1999–2000 के दौरान केवल 3517 करोड रूपये का राजस्व ही एकत्रित किया गया था। राज्स सग्रंह मे 77 प्रति ात इस रिकार्ड वृद्धि ने प्रदे ा की अर्थव्यवस्था की सुदृढ किया है। केन्द्र से न्यायपूर्ण आर्थिक सहायता प्राप्त न होने के बावजूद मेरी सरकार ने विकास प्रक्रिया को एक नई दि ाा प्रदान करने के लिए अपने संसाधनो तथा केन्द्र सरकार से प्राप्त वितीय सहायता का उचित उपयोग किया है।

प्रदे ा वासियों को सतलुज यमुना योजक नहर के माध्यम से रावी ब्यास नदी के अपने हिस्से का पानी प्राप्त करने

की जैसी उम्मीद आज है ऐसी प्रदे ा के इतिहास मे इससे पूर्व कभी नही थी पंजांब क्षेत्र मे प्रदे ा की इस ''जीवन रेखा'' को पूरा करवाने के लिए सभी राजनैतिक एवम सवैधानिक प्रयास किए जा रहे है। ग्रामीण क्षेत्रो मे विकास का प्रका ा पुज प्रस्फुटित हुआ है। इस कार्यक्रम के तहत 43000 से भी अधिक विकास कार्य होने से हमारे गांव का स्वरूप बदलने जा रहा है। इसके अतिरिक्त 470 गांवो मे प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 40 लिटर से अधिक पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए जलापूर्ति सम्वर्द्धन का एक व्यापक कार्यक्रम क्रियान्वित किया जा रहा है। सभी क्षेत्रो मे 24 घण्टे निर्बाध बिजली उपलब्ध करवाने के दृश्टिगत 500 करोड रूपये के निवेश से 71 अतिरिक्त नए ग्रिड सब स्टे ान स्थापित किए गए है, 240 वर्तमान सब स्टे ानो की क्षमता मे वृद्धि की गई है तथा 1100 मिलोमीटर लम्बी सम्प्रेशण लाइने बिछाई गई है। खेतो की सिचाई के लिए नहरो के अन्तिम छोर तक पानी पहुंचाने सुनि चित करने के भी प्रयास किए गए है। मेरी सरकार द्वारा खालों की मरम्मत का व्यापक कार्य भी हाथ मे लिया गया है। भाहरी क्षेत्रो मे और अधिक नागरिक सुविंधांए उपलब्ध करवा कर तथा डेरियो एवम सुअर इकाइयो को नगरपालिका सीमाओ से बाहर स्थानान्तरित करके भाहरो के सौन्दर्यकरण का एक कार्यक्रम भी भारू किया गया है। भाहरो मे जलापूर्ति मे वृद्धि एवम सीवरेज प्रणाली का विस्तार किया जा रहा है। जनसाधारण की सुविधा एवम इस्तेमाल के लिए और अधिक पार्क विकसित किए जा रहे है। प्रदे ा मे युवाओ की बेरोजगारी की समस्या से निपटाने के लिए

लगभग 39000 नौकरिया सृजित कर और अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए गए है। बेहतर परिवहन सेवांए उपलब्ध करवाने के मद्देनजर सरकार ने नीजि आप्रेटरों द्वारा बसों के परिचालन के लिए परमिट देने की एक नीति भ्रुरू की है। इस नीति का मुख्य उद्दे य सरकारी वाहनों की संख्या एवम उसकी मानव भाक्ति को कम किए बिना परिवहन सेवाओ की कमी वाले क्षेत्रो मे इन सेवाओ को उपलब्ध करवाना तथा जरूरतमंद युवाओ को स्वरोजगार उपलब्ध करवान है।

तदर्थ, अनुबंध, दिहाडीदार कर्मचारी, जो पूर्व नीति के तहत नही आते थे, को लाभान्वित करने तथा उनकी सेवाओ को नियमित करने के लिए एक नई नीति बनाई गई है।

लोगो के समक्ष सम्पति की बिक्री एवम खरीद के लिए आ रही समस्याओ को ध्यान मे रखते हुए मेरी सरकार ने ग्रामीण एमव भाहरी क्षेत्रो मे स्टाम्प भ्रुल्क क्रम ाः साढे बारह प्रति ात से घटाकर छः प्रति ात तथा साढे पन्द्रह से घटाकर आठ प्रति ात करने का निर्णय किया है। केवल यही नही, राज्य के सहकारी बैकों मे भी ऐसे सदस्यो के लिए ब्याज की दरे कम कर दी है जिन्होने बैंक ऋण अदा करने मे कोई चूक नही की है।

कृशि

कृशि क्षेत्र मे त्वरित विकास करते हुए आज भावी चुनौतियों का सामना करने के लिये तैयार है। मेहनतक ा

किसानो के हितो की रक्षा करने के साथ साथ कृशि आधारित अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने के हर सम्भव प्रयास किए गए है।

वर्श 2003–2004 के लिए 128.48 लाख टन खाधन्न उत्पादक का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमे खरीद की 34. 47 लाख टन तथा रबी की 94.01 लाख टन उत्पादन ं ाामिल है। समय पर पर्याप्त वर्शा तथा मौसम अनुकूल होने के कारण चालू वर्श के दौरान खाधान्नो के तहत 43.49 लाख हैक्टेयर रिकार्ड क्षेत्र लाए जाने से 137.97 लाख टन खाधन्नों के उत्पादन का अनुमान है जो कि अब तक का रिकार्ड होगा। गन्ना, कपास एवम तिलहनों का उत्पादन क्रम ाः 9.72 लाख टन गुड, 13.59 लाख गांठे तथा 9.83 लाख टन होने का अनुमान है। कपास की औसत झाड 454 लिंट किलोग्राम प्रति हैक्टेयर है जो अब तक सर्वाधिक है।

सरकार ने कृशि उत्पारन प्रणाली, आयात प्रतिस्थापन एवम निर्यात प्रोत्साहन को स्थायी बनाने हेतू फसलो के विविधिकरण के लिए एक कार्य योजना तैयार की है। धान एवम गेहूं के अधीन तीन लाख हैक्टेयर क्षेत्र, दलहनो एवम तिलहनो, जिनकी दे ा मे कमी है, की का ात करने का प्रस्ताव है। निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए बासमती एवम ग्वार के तहत क्षेत्र को भी बढाया जाएगा। घरेलू एवम वि व बाजार के लिए फलो एवम सब्जियों की का त को भी बढाया जा रहा है। जैवित खेती की अवधारणा दिन प्रतिदिन लोकप्रिय होती जा रही है तथा सरकार भी प्रदे ा मे इसे किसानो मे और अधिक लोकप्रिय बनाने के हर

सभंव प्रयास कर रही है। वर्श 2003–2004 की उपलब्धियों को ध्यान मे रखते हुए वर्श 2004–2005 के लिए 144 लाख टन खाधान्न उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित करने का प्रस्ताव है। गन्ना, कपास एवम तिलहनो का उत्पादन लक्ष्य क्रम ाः 10 लाख टन (गुड), 15 लाख गांठे एवम 8.30 लाख टन निर्धारित किया गया है। वर्श 2003–2004 के 3101 लाख रूपये के परिव्यय के विरूद्व 3100 लाख रूपये का व्यय होने की सभावना है। वर्श 2004–2005 के लिए 2750 लाख रूपये का राज्य योजना परिव्यय स्वीकृत किया गया है वर्श 2004–2005 के लिए योजना परिव्यय मे 406.34 लाख रूपये अनुसूचित जाति अवयय के लिए निर्धारित किये गये है।

प्रकृति की आपदा को ध्यान मे रखते हुए सरकार ने खरीफ 2004 से आगे के लिए राश्ट्रीय कृशि बीमा योजना क्रियान्वित करने का निर्णय लिया गया है। बाजरा, कपास, मक्का, अरहर, चना तथा सरसो की फसल, जिन्हे अधिक नुकसान होता है, को इस बीमा योजना के तहत लाया जाएगा।

ि ावालिक की पहाडियौं की तलहटी मे भूमि कटाव को रोकने तथा भूमि की उर्वरता को बनाए रखने के लिए वि व बैक की सहायता से वर्श 1990 से एक सघन वाटर ैड विकास परियोजना (काण्डी परियोजना) क्रियान्वित की जा रही है। इससे इस क्षेत्र के किसान एवम प ाुपालक बहुत लाभान्वित हुए है। भारत सरकार ने जिला सिरसा, सोनीपत, भिवानी, एवम झज्जर के लिए 4600 हैक्टेयर भूमि के सुधार हेतु लगभग 19 करोड रूपये

की परियोजनांए स्वीकृत की है। राजय कृशि विभाग जीरो टिलेज प्रौधोगिक को सक्रियता से प्रोत्साहित कर रहा है। प्रदे ा के सभी जिलो मे किसान क्लब गठित किए गए है। क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र उचानी करनाल एवम चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृशि वि ववविधालय, हिसार मे भ्ाुल्क मुक्त कृशि हैल्पलाईन भ्ारू की गई है तथा क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, बावल मे तीसरी ऐसी हैल्पलाईन भ्ारू किए जाने का प्रस्ताव है। प्रदे ा मे खाध प्रसंस्करण एवम कृशि आधारित उधोगो को बढावा देने के लिए हरियाणा कृशि उधोग निगम को एक नोडल एजेन्सी मनोनीत किया गया है। राज्य कृशि विपणन बोर्ड भी मण्डियों एवम सडको के निर्माण एवम विकास पर अपना पूर्ण सहयोग दे रहा है। नवम्बर, 2003 तक 303 किलोमीटर लम्बी सडको के निर्माण पर लगभग 30 करोड रूपये तथा मरम्मत पर सात करोड रूपये की रा ि ा व्यय की गई है। विकास की दौड मे पीछे न रहते हुए हरियाणा भण्डारण निगम हरियाणा तथा आसपास के क्षेत्रो के आयतकों एवम निर्यातको को भ्ाुश्क पोर्ट की सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए रिवाडी मे एक इन्लैड कन्टेनर डिपो स्थापित करने का कार्य कर रहा है। यह बहुत खु ाी की बात है कि निगम ने वर्श 2002–03 के दौरान लगभग 16 करोड रूपये का लाभ अर्जित किया है। बागवानी उत्पादन को प्रोत्साहित करने की आव यकता के मद्देनजर राज्य सरकार फलो, सब्जियों, पुलों एवम औशधीय पौधों के तहत और अधिक क्षेत्र लाने के प्रयास कर रही है।

खाध एवम आपूर्ति

राज्य की सरकारी खरीद एजेन्सियो तथा भारतीय खाध निगम ने किसानो के उत्पादक के एक एक दाने की भारत सरकार द्वारा घोशित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद करने के पयार्प्त प्रबन्ध किए है। खरीफ सीजन 2003–04 के दौरान 221 मण्डियो को संचालित किया गया। मण्डियों मे आए 35.55 लाख मीट्रिक टन धान मे से 23.39 लाख मीट्रिक टन लेवी धान था। सरकार एजेन्सियों द्वारा लगभग 10 लाख मीट्रिक टन लेवी धान की खरीद की गई, जबकि मिल मालिकों द्वारा लगभग 13 लाख मीट्रिक टन लेवी धान खरीद किया गया। धान की मिलिंग का कार्य पूरे जोरो से चल रहा है तथा इस मौसम के दौरान केन्द्रीय अन्न भण्डार मे लगभग 13.50 लाख मीट्रिक टन चल रहा है। तथा मौसम मे दौरान केन्द्रीय अन्न भण्डारन मे लगभग 13.50 लाख मीट्रिक टन चावल दिए जाने की सभांवना है, जबकि गत वर्श 13.18 लाख मीट्रिक टन चावल दिया गया था ।

खरीफ विपणन मौसम के दौरान वर्श 2003–04 मे दक्षिणी हरियाणा मे 38 मण्डियां स्थापित करके बाजरे की खरीद के लिए वि ोश प्रबन्ध किए गए। पहले बार मण्डियों मे आए 2.04 लाख मीट्रिक टन बाजरे मे से 1.99 लाख मीट्रिक टन बाजरे की खरीद 505 रूपये प्रति क्विटंल के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की गई। इससे बाजरा उत्पादक क्षेत्रो के किसानो को बहुत बडी राहत मिली है। मुझे यह बताते हुए अपार प्रसन्नता हो रही है कि वर्श

2003–04 के दौरान भी खरीद अभियान पिछले वर्शो की भांति ही प्रभावी एवम सुचारू रूप से संचालित किया गया था किसानो द्वारा अपनी फसल को औने पौने दामो पर बेचने का कोई भी मामला नही हुआ। प्रदे ा मे नागरिकों को डीजल, पैट्रोल, कोयला, सीमेंट इत्यादी जैसी सभी आव यक वस्तुए उचित मूल्य पर बहुतायत मे उपलब्ध है।

सहकारिता

सहकारिता विभाग ग्रामीण जनता की सेवा मे कार्यरत हैं वर्श 2002–2003 के दौरान 3741 करोड रूपये के अल्पावधि ऋण वितरित किए गए तथा वर्शा 2003–04 तक इनके 4100 करोड रूपये होने की सभांवना है। हरको बैक ने 17 नवम्बर, 2003 से प्राथमिक कृशि एवम सेवा समितियों के समय पर अदायगी करने वाले सदस्यो के लिए फसली ऋणों पर ब्याज की दर मे एक प्रति ात की कमी की है। ब्याज की न्यून्तम दरो पर ऋण उपलब्ध करवा कर ग्रामीण लोगो की सेवा करते हुए बैक ने वर्श 2002–03 के दौरान 406 करोड रूपये के दीर्घावधि ऋण वितरित किए तथा चालू वित वर्श के दौरान दिसम्बर 2003 तक 221 करोड रूपये के दीर्घावधि ऋण वितरित किए जा चुके है नाबार्ड वर्श 2003–04 के लिए 402 करोड रूपये के दीर्घावधि ऋ़ण कार्यक्रम स्वीकृत किए है। हरियाणा राज्य सहकारी कृशि एवम ग्रामीण विकास बैक ने ऋण धारको के लिए पहली दिसम्बर, 2003 से ब्याज की दर 1.75 प्रति ात तक कम नही है। ब्याज की दर से यह कमी ग्रामीण

ऋण धारको के लिए वरदान साबित हुई है। इस बैंक ने वर्श 2002–03 के दौरान नौ करोड रूपये का लाभ भी अर्जित किया। हैफेड ने भी चालू वित वर्श के दौरान गेहू का 13 लाख मीट्रिक टन तथा चाव का 1.30 लाख मीट्रिक टन रिकार्ड निर्यात किया। इस संगठन ने गत वर्श 22 करोड रूपये का लाभ अर्जित किया। प्रदे ा मे सहकारी चीनी मिले राज्य के गन्ना उत्पादको को उनके उत्पाद का समय पर भुगतान कर सराहनीय सेवांए कर रही है। मुझे यह बताते हुए प्रसन्ना हो रही है कि राज्य मे दो सहकारी चीनी मिलो ने राश्ट्र स्तरीय पुरस्कार प्राप्त किए है। सहकारी चीनी मिल, भााहबाद ने दे ा मे श्रेश्ठ सहकारी चीनी मिल होने तथा श्रेश्ठ वितीय प्रबन्ध के लिए दो प्रथम पुरस्कार प्राप्त किए है। इसी प्रकार, हरियाणा डेरी विकास सहकारी प्रंसघ अपने 3600 सहकारी समितियों के तंत्र के माध्यम से दूध की खरीद करके दुग्ध उत्पादको की आय मे वृद्धि करने मे सहयोग दे रहा है। चालू वित वर्श के दौरान दुग्ध उत्पादको को 12.64 रूपये प्रति लिटर का औसत मूल्य अदा किया गया जबकि वर्श 2002–03 के दौरान 11. 09 रूपये प्रति लिटर का मूल्य दिया गया था, जो कि 14 प्रति ात की वृद्धि द ार्ाता है। प्रदे ा मे दुग्ध उत्पादको के हितो की रक्षा एवम सुरक्षा के लिए उन्हे उतर स्तर का प ाु आहार, चारा बीज एवम प ाु दवांइयां उपलब्ध करवाने जैसे उपाय किए गए।

प ाुपालन एवम मत्सय पालन

मेरी सरकार प्रदे ा मे प ुपालन एवम डेरी गतिविधियों को प्रोत्साहित करने की आव यकता से पूर्णत अवगत है। इन क्षेत्रो मे किए गए संघन प्रयासो के परिणामस्वरूप प्रदे ा मे प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 656 ग्राम दुध उपलब्ध हो रहा है। प्रति व्यक्ति प्रतिदिन दुग्ध उपलब्धता मे प्रदे ा दे ा मे दूसरे स्थान पर है। चालू वित वर्श के दौरान ''मुंह एवम खुर'' बीमारी के नियंत्रण के लिए एक अनूठा कार्यक्रम भ ुरू किया गया है, जिस पर 12 करोड रूपये की रा ि ा व्यय होगी। यह कार्यक्रम दंसवी पंचवर्शीय योजना के दौरान जारी रहने की सभांवना है। मछली उत्पादन मे वृद्धि की और भी मत्सय पालन विभाग द्वारा वि ोश ध्यान दिया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप दिसम्बर, 2003 तक 7658 हैक्टेयर जल क्षेत्र मत्सय पालने के तहत ला कर 25900 टन मछली का उत्पादन हुआ है तथा आगामी वित वर्श के दौरान इसका उत्पादन 42000 टन होने की संभावना है।

वन एवम पर्यावरण

वृक्ष पारिस्थितिकी सुरक्षा का माध्यम है क्योंकि वे पारिस्थितिकी संतुलन को बनाए रखने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। हरियाणा प्रदे ा मे कुल 1.55 लाख हैक्टेयर क्षेत्र वन के तहत है जो कि प्रदे ा के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 3.5 प्रति ात हैं। प्रदे ा मे लकडी एवम ईधन की बढती मांग को पूरा करने के लिए वन विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओ के तहत वनीकरण किया जा रहा है। राज्य एवम केन्द्र प्रायोजित योजनाओ के तहत अप्रैल,

2003 से लेकर दिसम्बर 2003 तक प्रदे ा मे 428 लाख पौधे लगाए गए जबकि वित वर्श 2003–04 के लिए 450 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वन विभाग द्वारा इनमे से 184 लाख पौधे, 15538 हैक्टेयर क्षेत्र पर लगाए गए जबकि 244 लाख पौधे विभिन्न सरकारी विभागो एवम जनता को लगाने के लिए नि ाुल्क वितरित किए गए। सरकार ने वर्श 2004–05 के दौरान 4.50 करोड पौधे लगाने का निर्णय लिया है।

औशधीय पौधो से प्राप्त अच्छी आय को ध्यान मे रखते हुए सरकार प्रदे ा मे औशधीय पौधो की का त को बढाव देने के लिए औशधीय पौधो बोर्ड का गठन किया है। ऐसी का त को लोकप्रिय बनाने तथा ग्राम पंचायत की आय मे वृद्धि करने के दोहरे उद्दे ाय को लेकर ग्राम पंचायतो की भूमि पर औशधीय पौधे लगाए जाने का भी प्रस्ताव है।

वन्य प्राणी सरंक्षण हमे ाा से ही प्राथमिकता का क्षेत्र रहा है भिण्डावास पक्षी विहार का सुनियोजित विकास किया जा रहा है तथा वहां एक नेचर इन्टरप्रिटे ान सैंटर स्थापित किया जा रहा है ताकि लोगो को पक्षियो की विभिन्न प्रजातियो तथा पारिस्थितिकी सतुलन को बनाए रखने मे उन द्वारा निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका के बारे मे ि ाक्षित किया जा सके।

जहा सरकार पर्यावरण की सुरक्षा एवम संरक्षण के साथ साथ त्वरित आर्थिक विकास सुनि ि चत करने के लिए कटिबद्ध है

वही प्रदे ा मे जैव चिकित्सा कचरे, हानिकारक कचर्र तथा प्लास्टिक के इस्तेमाल के कारण उत्पन्न प्रदुशण को विनियमित करने के लिए बनाए गए विभिन्न को प्रभावी रूप मे क्रियान्वित कर रही है। साथ ही, जन साधारण मे पर्यावरण के महत्व बारे जागरूकता उत्पन्न करने के लिए भी सतत् प्रयास किए जा रहे है।

प्रदे ा मे राश्ट्रीय हरित कोर्प्स योजना के तहत 1900 इको क्लब स्थापित किए गए है इको क्लब के सदस्यो के माध्यम से प्रदे ा मे पर्यावरण के महत्व बारे जागरूकता उत्पन्न की जा रही हैं

प्रदुशण नियंत्रण बके बारे हुडा ने पानीपत मे सैक्टर 29 भाग 2 नामक एक वि ोश सैक्टर विकसित किया है, जहां भाहर भर मे फेली रंगाई की इंकाइयो को स्थानान्तरित करने के लिए सहमत किया गया है। इस सैक्टर, जिसमे सामान मल निस्सार भाोधन संयत्र की सुविधा होगी, मै 313 इकाईयों को प्लांट आबटिंत किए गए है। इसी प्रकार, फरीदाबाद भाहर के आवासीय क्षेत्र मे संचालित 300 इलैक्ट्रोलेटिंग इकाइयों को भाहर के सैक्टर 58 मे स्थानान्तरित किया गया है।

सिचाई

सिचाई विभाग ने प्रदे ा वर्श भर किसानो के खेतों को सिचाई के लिए सफलापूर्वक अधिक पानी उपलब्ध करवाया है। भाखडा प्रणाली मे नहरी जल की उपलब्धता गत वर्श की तुलना मे

0.54 एम0ए0एफ0 अधिक रहेगी। वर्श 2003–04 के दौरान रबी मौसम के लिए पानी की आपूर्ति मे लगभग 1100 क्यूसिक तक की वृद्धि होगी। जवाहर लाल नेहरू फीडर के माध्यम से जवाहर नेहरू उठान योजना के नहरी क्षेत्र मे जलापूर्ति 25 प्रति ात 1200 क्यूसिक से 1500 क्यूसिक तक बढाई गई है। भााहपुर नलवी नहर योजना को अब पुनः भारू किया जा रहा है। इस योजना के कार्यान्वयन से जिला कुरूक्षेत्र के उपजाऊ क्षेत्रो को सिचाई एवम पुनर्भरण की सुविधा उपलब्ध होगी। योजना का कुल प्रस्तावित कमान क्षेत्र 83720 हैक्टेयर है जिसमे से कृशि योग्य नही क्षेत्र कमान 75344 हैक्टेयर है।

राज्य के विभिन्न क्षेत्रो मे नाबार्ड सहायता परियोजना के अन्तर्गत नई माइनरो के निर्माण, पहले से ही निर्मित माइनरो के विस्तार ड्रैनों के निर्माण की 130 योजनांए पूरी की जा चुकी है, जबकि 76 ऐसी योजनाओ पर कार्य प्रगति पर है। इस परियोजना के तहत आने वाली मुख्य योजनांए घग्गर सहदेव ममेत खेडा लिंक चैनल, रंगोई खरीफ चैनल, बास हिसार घग्गर बहुद्दे ाीय चैनल, बचेर नथोर लिंक चैनल, रामकली माइनर, पटौदी डिस्ट्रब्यूटरी इत्यादि है। नाबार्ड की वितीय सहायता एवम स्वीकृति के लिए 100 करोड रूपये की लागत की एक और नई परियोजना तैयार की गई है।

भाखडा नहर कमान क्षेत्र विकास का कार्य 319 करोड 46 लाख रूपये की एक परियोजना के अन्तर्गत किया जा रहा है।

इस योजना के अन्तर्गत आठ जिलो से सम्बन्धित 2.39 लाख हैक्टेयर कमान क्षेत्र के जलमार्गो को पक्का किया जाएगा। हथनी कुण्ड बैराज लिंक चैनल के निर्माण के उपरांत के दौरान यमुना जल की उपलब्धता मे वृद्धि हुई है। बढी हुई जल उपलब्धता को प्रयोग मे लाने के लिए कैरियर चैनलो की क्षमता बढाने का कार्य त्रीवत सिंचाई लाभ परियोजना के अन्तर्गत प्रगति पर है, जो कि केन्द्रीय सहायता प्राप्त योजना है। हांसी ब्रांच की क्षमता बढा दी गई है, जबकि पि चमी यमुना नहर मुख्य ब्रांच सिरसा ब्रांच, बुटान ब्रांच, दिल्ली ब्राच नाराणण डिस्ट्रीब्यूटरी तथा रोहतक डिस्ट्रीब्यूटरी की क्षमता को बढाने का कार्य प्रगति पर है।

समाज कल्याण

हरियाणा समाज के सभी वर्गो, वि ोशकर उपेक्षितो के कल्याणपूर्ण सदा आगे रहा है। राज्य सरकार समाज के इन वंचित एवम उपेक्षित व्यक्तियों के प्रति स्पश्ट वि ोश जिम्मेदारी समझते हुए इन वर्गो को उचित महत्व दे रही है। चालू वर्श 328.42 करोड रूपये का बजट आबटिंत किया गया तथा अगले वर्श के लिए 358. 26 करोड रूपये का प्रावधन किया गया है। चौधरी देवी लाल जन सुरक्षा बीमा योजना देवी रक्षक योजना 2 अक्तूबर, 2003 से लागू की जा चुकी है जिसके लिए ने ानल इस्योरेस कम्पनी लि, चण्डीगढ को एक वर्श के लिए 400 लाख रूपये बतौर प्रीमियम दिए गए है। इस योजना के तहत 62 व्यक्तियों के दावे निपटाये गए है तथा 54 दावे विचााधीन है। मेरी सरकार वृद्ध व्यक्तियों के

कल्याण को भी उच्च प्राथमिकता दे रही है। रेवाडी मे सरकार द्वारा संचालित वृद्ध विश्राम गृह के अतिरिक्त 606 गांवो मे ताऊ देवी लाल वृद्ध विश्राम गृहो का निर्माण करवाया जा चुका है तथा 356 और वृद्ध विश्राम गृह निर्माणाधीन है।

मेरी सरकार उपेक्षित वर्गो जिनमे अपंग, बच्चे व महिलांए भाामिल है के कल्याण को उच्च प्राथमिकता दे रही है। चालू वित वर्श के दौरान इन वर्गो के कल्यार्थ 792 लाख रूपये खर्च किए जाने है और वर्श 2004–2005 के बजट मे 816 लाख रूपये का प्रावधान किया गया है।

सरकार अनुसूचित जातियों एवम पिछडी वर्ग के कल्याण के लिए पूर्णत वचनबद्ध है तथा इसके लिए उनके सामाजिक आर्थिक एवम भौक्षणिक उत्थान के लिए अनेक योजनाएं क्रियान्वित की जा रही है। इस उद्दे ाय हेतु वर्श 2004–2005 के लिए 49 करोड रूपये का प्रावधान किया गया है।

राज्य सरकार बच्चो एवम महिलाओ के समुचित विकास एवम समाज मे उनकी स्थिति सुधारने के लिए कई योजनाओ क्रियान्वित कर रही है। सरकार द्वारा वर्श 2003–04 के स ाोधित बजट मे विभिन्न योजनाओ के क्रियान्वयन के लिए 123.23 करोड रूपये का प्रावधान किया गया है जबकि वर्श 2004–05 के बजट के लिए 131.96 करोड रूपये का प्रस्ताव है। समेकित बाल विकास सेवांए योजना की 116 परियोजनाओ के अन्तर्गत कार्यरत 13546

आंगनबाडी केन्द्रो के माध्यम से बच्चो एवम महिलाओ को स्वास्थय एवम सामाजिक सेवाओ का पैकेज प्रदान किया जा रहा है।

राज्य सरकार ने विभिन्न उन्नयन प्रि ाक्षण योजनाओ के माध्यम से महिलाओ के स्तर मे गुणात्मक परिवर्तन लाने के लिए बडे पैमानके पर सिविल समाज को भागीदार के रूप मे भाामिल करके एक प्रगति ील कदम उठाया गया है। सरकार द्वारा निशेध अधिनियम के तहत नए नियम बनाए गए है और राज्य स्तर पर मुख्य दहेज निशेश अधिकारी नामांकित करने के अतिरिक्त सभी उप मण्डलो मजिस्ट्रेटों एवम नगााधी ाों को दहेज निशेध अधिकारी नियुक्त किया गया है।

ग्रामीण विकास

मेरी सरकार द्वारा चलाया जा रहा लोकप्रिय एवम उतरदारीय ''सरकार आपके द्वार'' कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रो मे आव यक आधारभूत संरचना उपलब्ध करवाने एवम लोगो के जीवन स्तर को सुधारने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहाहै। इस कार्यक्रम के तहत अनुमानतः 1891.10 करोड रूपये की लगात से 28822 विकास कार्य पूरे किए जा चुके है, जबकि 14393 कार्य प्रगति पर है। विकासात्मक गतिविधियो का चौथा चरण 2 अक्तूबर, 2003से भाुरू किया गया है।

सामुदायिक विकास कार्यक्रम ग्रामीण स्वास्थय एवम स्वच्छता योजना क्रियान्वयनाधीन है तथा इस योजना के लिए

आगामी वित वर्श मे 50 रूपये का परिव्यय प्रस्तावित है। ग्रामीण क्षेत्रो मे चौपालो के निर्माण एवम मरम्त के सामाजिक कार्यक्रम को तेजी से क्रियान्वित किया जा रहा है। पंचायती राज संस्थाओ को सुदृढ किया जा रहा है तथा उन्हे अधिक से अधिक धनरा ि उपलब्ध करवाई जा रही है। मैचिंग ग्रांट योजना के अन्तर्गत चालू वित वर्श के दौरान 63 कार्यो के लिए 299 लाख रूपये की रा ि स्वीकृत की गई है जबकि अगले वित वर्श मे 240 लाख रूपये सरकार के हिस्से मे तौर पर दिया जाना प्रस्तावित है। प्रदे ा मे गरीबी उन्मूलन एवम रोजगार के अवसर उत्पन्न करने के उद्देाय से स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना एवम सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार येाजना जैसी अन्य मुख्य योजनांए भी क्रियान्वित की जा रही है। प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना के तहत केन्द्र सरकार द्वारा उपलब्ध करवाए गए 187 करोड रूपये की धन रा ि से वह योजना क्रियान्वित की जा रही है। दिसम्बर, 2003 के अन्त तक 258 मकानों के लिए सासद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना, समेकित बंजर भूमि विकास कार्यक्रम जैसे अनेक योजनांए भी क्रियान्वित की जा रही है।

स्वास्थय सेवांए

मेरी सरकार हरियाणा के लोगो को उतम स्वास्थय सेवांए उपलब्ध करवाने तथा लोगो के स्वास्थय स्तर को और अधिक सुधारने के लिस वचनबद्ध है। प्रदे ावासियों को 50 अस्पतालो, 64 सामुदायिक स्वास्थय केन्द्रो, 404 प्राथमिक स्वास्थ्य

केन्द्रो, 2299 उप केन्द्रो, 12 जिला क्षय रोग केन्द्रो, 39 औशधालयो, 14 सचल औशधालयों तथा दो सचल दन्त औशधालयो के तंत्र के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही है। इसके अतिरिक्त तीन, अस्पताल भवन, 10 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 21 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा पांच उप केन्द्र निर्माणधीन है, जिनके लिए 535 लाख रूपये का बजट प्रावधान किया गया है। प्राथमिक स्वास्थय केन्द्र एवम उप केन्द्र, जोकि किराये के भवनो से चल रहे है, के लिए चरण्बद्ध ढंग से भवनो का निर्माण किया जाएगा। राज्य सरकार द्वारा सरकारी स्वास्थय संस्थाओ की मरम्मत तथा रख रखाव के लिए लगभग तीन करोड रूपये की राि ा स्वीकृत की गई है। अस्पतालो मे पर्ची फीस के रूप मे एकत्रित राि ा का उपयोग भवनो की मरम्मत एवम उपकरणो के रख रखाव पर व्यय किया जाना भी प्रभावित है।

वर्श 2003–04 मे स्वास्थय भूमि प्रति व्यक्ति व्यय 184. 57 रूपये हुआ, जबकि वर्श 1993–94 मे यह व्यय 7702 रूपये था। विभिन्न स्वास्थय संस्थाओ के लिए एक करोड रूपये के उपकरणों की खरीद की गई। राजकीय अस्पताल, पंचकूला मे कैंसर विंग की स्थापना के लिए एक करोड रूपये की राि ा स्वीकृत की गई है। वर्श 2004–05 के दौरान दवाइयो की खरीद के लिए 665 लाख रूपये तथा म ीनरी एवम उपकरणो की खरीद के लिए 180 लाख रूपये का प्रावधान किया गया है। मेरी सरकार से पहली नवम्बर, 2003 से ''स्वास्थय आपके द्वार'' नामक एम अनूठी योजना भाुरू

की है। इस योजना के तहत प्रदे ा के सभी नागरिकों की स्वास्थय जांच उनके घर द्वार पर ही की जाएगी। सं ाोधित चौधरी देवी लाल राश्ट्रीय उत्थान एवम परिवार कल्याण योजना ''देवीरूपक योजना'' 24 नवम्बर, 2003 से भाुरू की गई है। इस योजना का उद्दे ाय जनंसख्या स्थिरता तथा घटते लिंग अनुपात को रोकना है। इस योजना के तहत 3915 दम्पतियों का पंजीकरण किया गया है तथा 181 दम्पती आप्रे ान करवा कर इस योजना का लाभ उठा रहे है। घटते लिग अनुपात को रोकने के लिए प्रदे ा मे प्रसूति पूर्व निदान तकनीकी अधिनियम, 1994 को प्रभावी रूप से क्रियान्वित किया जा रहा है। प्रदे ा ने अब तक 760 जैनेटिक क्लीनिक्स तथा 66 जैनेटिक परमा र्ा केन्द्र पंजीकृत किए है। इसके अतिरिक्त 40 अल्ट्रासांउड म ाीनें जब्त एवम सील की गई है तथा 20 अभियोग चलाए गए है। प्रदे ा मे स्वास्थय ि ाविर भी आयोजित किए जा रहे है गत वर्शो के दौरान प्रदे ा मे 500 से अधिक स्वास्थय ि ाविर आयोजित किए गए है। 15 जनवरी से 15 फरवरी, 2004 तक स्वास्थय जागरूकता माह मनाया जा रहा है। इस अवधि के दौरान प्रदे ा के सभी 10 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रो मे तीन तीन दिवसीय स्वास्थय मेले आयोजित किए जा रहे है। प्रत्येक स्वास्थ्य मेले के लिए भारत सरकार आठ लाख रूपये की रा ि ा उपलब्ध करवा रही है।

इसी प्रकार, आयुर्वेदिक, यूनानी तथा होम्योपैथिक अस्पतालो एवम औशधालयो के तंत्र के माध्यम से चिकित्सा सुविधा

उपलब्ध करवाई जा रही है। भारतीय चिकित्सा पद्धति एवम होम्योपैथिक की विभिन्न योजनाओ के लिए दंसवी पंचवर्शीय योजना हेतु 11 करोड रूपये का परिव्यय स्वीकृत किया गया है। पंचकूला मे आयुर्वेद निदे ाालय के भवन तथा श्री कृश्ण आयुर्वेदिक कांलेज, कुरूक्षेत्र के लडकियों के छात्रावास का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त 22 और आयुर्वेदिक औशधालय खोले जाने का भी प्रस्ताव है, जिनमे से 16 आयुर्वेदिक औशधालय पहले ही खोज जा चुके है। वर्श 2003'04 मे छः नए औशधालय खोलने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

श्रम एवम रोजगार

राज्य सरकार ने औधोगिक सुरक्षा तथा सौहार्दपूर्ण औधोगिक सम्बन्धो के लिए अनुकूल वातावरण बनाए रखने के लिए आव यक कदम उठाए है। औधोगिक संघो तथा विभिन्न ट्रेड यूनियनस के प्रतिनिधियों को और अधिक प्रतिनिधित्व दिए जाने के दृश्टिगत हरियाणा सुरक्षा परिशद् का पुनर्गठन किया गया है। प्रबन्ध को कार्य स्थल पर बेहतर सुरक्षा वातावरण बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करने हेतू एक सुरक्षा पुरस्कार योजना भी भाुरू की गई है। यहां पर उल्लेखनीय है कि इस प्रयासो के फलस्वरूप प्रदे ा मे औधोगिक दुर्घटना की दर दे ा से सबसे कम है।

सरकार ने फैक्ट्री अधिनियम एमव अनुबध श्रम अधिनियम के तहत कारखना भवन योजनाओ की स्वीकृति के साथ

साथ लाइसेंस प्राप्त करने के लिए एक पुस्तिका जिसमे सूचना ब्रो ार तथा आवेदन ब्रो ार भाामिल है, जारी करने ''सहायता'' नामक एक योजना भाुरू की है।

प्रदे ा मे अकु ाल श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी 2197.84 रूपये प्रतिमाह है तथा इन दरो मे मजदूरो से सम्बन्धित उपभोक्ता मूल्य सूचकांक वृद्धि के नगण्य करने के लिए प्रति मास छः माह की अवधि के उपरान्त सं ाोधन किया जाता है। कल्याणाीकार योजनाओ के तहत औधोगिक श्रमिको एवम उनके आश्रितो को 19.12 लाख रूपये की रा ि ा वितरित की गई है।

राज्य सरकार ने रोजगार कार्यालय के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया भाुरू कर दी है। विभाग के अधिकारियों को स्वरोजगार कार्यक्रम को प्रोत्साहित करने के लिए वि ोश प्रयास करने के निर्दे ा दिए गए है।

ि ाक्षा

माननीय सभासदो! मेरी सरकार ने सिरसा, जोकि ि ाक्षा मे पिछडा क्षेत्र है, में चौधरी देवी लाल वि ववविधालय नामक एवम नया वि ववविधालय स्थापित कर एक नई उपलब्धि प्राप्त की है। इसके अतिरिक्त, चालू भौक्षणिक सत्र के दौरान गुडगांव, भिवानी, मुरथल एवम हिसार मे चार नए राजकीय महाविधालय खोले गए है जिनमे से तीन महाविधालय केवल महिलाओ के लिए है। इसके अतिरिक्त, राज्य सरकार ने पंचकुला

मे एक राजकीय महिला महाविधालय स्थापित करने का भी निर्णय लिया है। सरकार अपनी नीति के अनुसार नीजि संगठनो द्वारा भौक्षणिक संस्थाने की स्थापना को भी प्रोत्साहित कर रही है।

इसके अतिरिक्त, ि ाक्षा सदन, जिसमे ि ाक्षा के तीनो निदे ाालयों के कार्याकाल एक ही भवन मे होगे, भीघ्र ही पंचकूला के सैक्टर 5 मे बन कर तैयार हो जाएगा।

उच्चचर ि ाक्षा के क्षेत्र मे उत्कृश्टता को प्रोत्साहित करने के लिए ि ाक्षा विभाग हर वर्श राज्य स्तरीय समारोह मे मेधावी विधार्थियो को सम्मानित किया जाता है। बी0एस0सी0, बी0कांम0 एवम बी0ए0 तृतीय वर्श मे वि वविधालय मे प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विधार्थियो को पुरस्कार के रूप मे कमप्यूटर दिए जाते है। इस कदम की बहुत सरहाना की जा रही है तथा यह योजना प्रदे ा मे मेधावी छात्रो को प्रोत्साहित करने मे अहम भूमिका निभायेगी। वर्श 2003–04 के दौरान इन छात्रवृति योजनाओं के लिए 5.77 करोड रूपये की रा ि ा आबटिंत की गई है।

ग्रामीण क्षेत्रो मे रहने वाले अनुसूचित जातियों से सम्बन्धित मेधावी विधार्थियो के लिए भौक्षणिक सत्र 2002–03 से प्रदे ा मे एक महत्वकाक्षी आवासीय छात्रवृति योजना भुरू की गई है। इस योजना के तहत वर्श 2003–04 मे 20 लाख रूपये की रा ि ा आबटिंत की गई।

प्रदे ा क्षेत्रो मे रहने वाले हर बच्चे को भौक्षणिक सुविधांए उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता रही है। चालू वित वर्श के दौरान 105 प्राथमिक स्कूलो, 12 मिडलो स्कूलो, 17 उच्च विधालयो का दर्जा बढा कर क्रम ाः मिडल, उच्च एंव वरिश्ठ माध्यमिक स्तर का बनाया गया है। अब विधालयों की सुविधा 1.11 किलोमीटर, 1.44 किलोमीटर, 1.75 किलोमीटर, 3.08 किलोमीटर के दायरे मे क्रम ाः प्राथमिक, मिडल, उच्च तथा वरिश्ठ माध्यमिक स्तर पर उपलब्ध है। छठी कक्षा मे पढने वाली उन सभी लडकियों को साइकिल उपलब्ध करवाए जाएगे जिन्हे ि ाक्षा प्राप्त करने के लिए साथ लगते गावों मे जाना पडता है।

पंचकूला, यमुनानगर, पानीपत, कैथल, तथा रेवाडी मे पांच नए जिला ि ाक्षा एंवम प्रि ाक्षण संस्थान (डाइट्स) खोले गए है। ये जिला ि ाक्षा एवम प्रि ाक्षण संस्थान अगस्त, 2004 तक चालू हो जांएगे। वर्तमान 12 जिला ि ाक्षा एवम प्रि ाक्षण संस्थानो मे चार भााखांए और जोडकर उन्हे पुनर्गठित किया गया है।

राज्य के भौक्षिण रूप से पिछडे खण्डो मे लडकियो की ि ाक्षा पर और अधिक बल देने के लिए जंहा महिलाओ की साक्षरता दर राश्ट्रीय साक्षरता दर से कम है, उन 10 जिलों के 38 खण्डो मे सर्वि ाक्षा अभियान के अन्तर्गत एक योजना चलाई जा रही है। स्कूलो मे लडकियो की उपस्थिति तथा उसे बनाए रखने

के लिए चालू वर्श के दौरान अनेक कार्यो पर एक करोड रूपये से अधिक की रा ि ा व्यय की जाएगी।

176 ब्रांच प्राथमिक स्कूलो का दर्जा बढा कर उन्हे पूर्णतः प्राथमिक स्कूल बनाया गया है। सं ाोधित पाठ्यक्रम के अनुसार कक्षा एक से चार की पाठ्य पुस्तके तैयार की गई है। आगामी सत्र से कक्षा एक से आठ मे पढने वाली सभी लडकियों व अनुसूचित जाति के लडको को मुफ्त पाठ्य पुस्तके दी जाएगी। विकलागों की समेकित ि ाक्षा योजना के तहत 28548 विकलांग बच्चो की पहचान कर उन्हे स्कूलो मे दाखिल किया गया है इस योजना के तहत दस जिलो मे आद र्ा विधालय खोले गए है।

खेल एवम युवा कल्याण

सरकार द्वारा वर्श 2001 मे अपनाई गई आ ाावादी खेल नीति के सकारात्मक परिणाम रहे है वर्श 2003 मे हरियाणा के खिलाडियो की उत्कृश्ट उपलब्धियों इसका प्रमाण है। हैदराबाद मे आयोजित एफ्रो ए ि ायन खेलो मे भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले हरियाणा के खिलाडियो ने विभिन्न प्रतियोगिताओ मे दस स्वर्ण पदक, एक रजत पदक एवम एक कांस्य पदक प्राप्त किया।

वर्श 2003–04 के दौरान 445 खिलाडियो को 1.61 करोड रूपये के नकद पुरस्कार वितरित किए गए। खेल स्पर्धाओ मे भाग लेते हुए किसी खिलाडी की दुर्घटना मे मृत्यु या घायल हो जाने पर पांच लाख रूपयके तक की रा ि ा उसके परिवार को दिए

जाने सम्बन्धी एक नई योजना लागू की गई है। उत्कृश्ट खिलाडियो को सुनि चत भविश्य उपलब्ध करवाने के लिए खिलाडियो को प्र ाक्षित कर विभिन्न खेलो की 13 टीमे तैयार की जा रही है। इन खिलाडियों को नियमित सरकारी कर्मचारियों का दर्जा प्राप्त होगा। राज्य का प्रथम हाकी एस्ट्रोटर्फ 2.35 करोड रूपये की लागत से गुडगांव मे बिछाकर चालू किया गया है तथा ऐसी एस्ट्रोटर्फ वर्श 2004–05 मे भााहबाद मे स्थापित किया जाएगा। गुडगांव एवम पंचकूला मे दो ऐसे आधुनिक खेल परिसर सचांलित किए गए है जिनमे सभी मुख्य खेलो की सुविधंए उपलब्ध है। राज्यभर मे ग्राम स्तर पर खेल मैदान उपलब्ध करवाकर ग्रामीण क्षेत्रो के युवाओ को खेलो मे सक्रिय भागीदारी के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है।

अगस्त 2004, मे ऐथन्स मे आयोजित होने वाली ओलम्पिक खेलो को ध्यान मे रखते हुए भारत के लिए स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले हरियाणा के किसी भी खिलाडी को राज्य सरकार एक करोड रूपये का नकद पुरस्कार प्रदान करने के लिए वचनबद्ध है।

बिजली

विकास के लिए बिजली निःसन्देह बहुत ही महत्वपूर्ण घटक है। इसी सच्चाई को मानते हुए मेरी सरकार ने राज्य मे अधिकतम बिजली उपलब्धता सुनि चत करने तथा उपभोक्ताओ

को बेहतर स्तर की बिजली उपलब्ध करवाने को उच्च प्राथमिकता दी है। बिजली की उपलब्धता से लगातार एवम उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्श 1998–99 मे जहा बिजली की औसतर दैनिक उपलब्धता 367 लाख यूनिट थी, वही चालू वित वर्श के दौरान दिसम्बर, 2003 तक प्रतिदिन औसतन 561 लाख यूनिट बिजली उपलबध करवाई गई। वर्श 1998–99 की तुलना मे कुल संचित वृद्धि 53 प्रति ात रही है। इसी प्रकार, ग्रामीण क्षेत्र को वर्श 1998–99 के औसतर 184 लाख यूनिट प्रतिदिन बिजली आपूर्ति की तुलना मे चालू वर्श मे 289 लाख यूनिट प्रतिदिन बिजली आपूर्ति की गई, जो कि 57 प्रति ात अधिक रही। प्रदे ा मे त्वरित बिजली विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ताऊ देवी लाल थर्मल पावर प्लांट पानीपत की सातवी एवम आठवी इकाईयों का निर्माण कार्य युद्व स्तर पर चल रहा है तथा इन इकाइयो को रिकार्ड समय मे चालू किए जाने की योजना है ताकि इस वर्श अक्तूबर मास तक अतिरिक्त 250 मैगावाट तथा फरवरी, 2005 तक अन्य 250 मैगावाटव की वृद्धि की जा सके।

इसके साथ ही यमुनानगर मे एक नया विधुत उत्पादन परिसर बनाने के प्रयास किए जा रहे है। राज्य मे उपभोक्ताओ को अतिरिक्त बिजली उपलब्ध करवाने के लिए महत्वाकांक्षी पुनर्स्थापना एवम विस्तार कार्यक्रम के अन्तर्गत सम्प्रे ाण एवम वितरण प्रणाली को सुदृढ किया जा रहा है। इसके अलावा 75 और नए उप केन्द्रो

का निर्माण कार्य जारी है। यह हरियाणा राज्य के अस्तित्व मे आने के बाद की अब तक की सर्वोच्च उपलब्धि होगी।

मेरी सरकार ने उपभोक्ताओ को मिलने वाली बिजली की गुणवता मे सुधान लाने के लिए वि ोश प्रसाय किए है। इस उद्दे ाय की पूर्ति के लिए अधिक भार वाले 11 के0वी0 फीडरो के द्विभाजन एमव त्रिभाजन के लिए एक व्यापक कार्यक्रम भाुरू किया गया है। विधुत मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 550 करोड रूपये की अुनमानित लागत से भाुरू किए गए त्वरित बिजली विकास एवम सुधार कार्यक्रम के तहत उप सम्प्रेशण एवम वितरण प्रणाली के पुनर्गठन एवम विस्तार की एक योजना भाुरू की गई है। मेरी सरकार ने त्वरित कनैक ान जारी करने की वि ोश योजनाए भाुरू की है। पूर्व सरकारों के कार्यकाल के दौरान हर वर्श औसतन 1000 नलकूप कनैक ान जारी किये गये वही मेरी सरकार के कार्यकाल के दौरान 36000 से अधिक नए नलकूप कनैक ान जारी किए गए। साथ ही बिजली कनैक ान जारी करने की प्रक्रिया को सरल बनाकर अन्य श्रेणियों के उपभोक्ताओ को तेजी से बिजली कनैक ान जारी किए जा रहे है।

उधोग

आज समस्त वि व मे उधोग जगत आर्थिक मंदी के दौर से उबर रहा है। भारतीय उधोग भी बढत की और अग्रसर है। नि चत ही अच्छा मानसून, बेहतर अन्तर्राश्ट्रीय सम्बन्ध तथा

व्यापार एवम वाणिज्य मे पर्याप्त विकास के कारण औधोगिक गतिविधियों मे तेजी का माहोल है। आज हरियाणा दे ा का एक अधिकतम औधोगिक विकसित राज्य बन गया है तथा घरेलू एवम विदे ाी निवे ाकों की पहली पंसद है। हरियाणा अच्छी आधारभूत सुविधओ, बेहतक कानून एवम व्यवस्था तथा मालिको एवव श्रमिकों के मधुर सम्बन्धो के कारण दे ा के अन्य राज्यो मे आगे है। दिसम्बर, 2003 तक हरियाणा मे 1215 बडी तथा माध्यम औधोगिक इकाइंया स्थापित हुई है जो दे ा के उतरी प्रान्तो मे सबसे अधिक है। हरियाणा मे प्रत्यक्ष विदे ाी निवे ा बढ रहा है। वर्श 1999 से लेकर अब तक राज्य मे प्रत्यक्ष विदे ाी निवे ा के माध्यम से 1857 करोड रूपये का निवे ा आकर्शित किया तथा 4819 करोड रूपये के प्रस्ताव राज्य सरकार के विचाराधीन है।

प्रदे ा अत्याधुनिक औधोगिक सम्पदांए भी विकसित कर रहा है जिनमे सभी मूलभूत सुविंधाए उपलब्ध होगी। मेरी सरकार की इस अवधि मे औधोगिक सम्पदाओ के लिए 6500 एकड का एक भूमि बैक भी सृजित किया है। इस अवधिक के दौरान प्रदे ा मे 198 नए बडे एवम मध्यम उधोग तथा लगभग 4500 नए लघु उधोग स्थापित हुई है। नियमो एवम प्रक्रियाओं के सरलीकरण तथा बेहतर आधारभूत सुविधाओ के परिणामस्वरूप हरियाणा भाहरी विकास प्राधिकरण व हरियाणा राज्य औधोगिक विकास निगम ने जुलाई, 1999 से दिसम्बर, 2003 तक की अवधि के दौरान 6128 औधोगिक प्लाट आबटिंत किए है। इन आंवटित औधोगिक प्लाटो

पर औधोगिक परियोजनाओ के भाुरू होने के उपरांत लगभग 9000 करोड रूपये का पूंजी निवे ा होगा तथा इनसे लगभग दो लाख लोगो को रोजगार मिलेगा। हरियाणा राज्य मे औधोगिक उधमकर्ता ज्ञापन योजना के क्रियान्वयन मे 59 प्रति ात की औसत के साथ दे ा मे सबसे अग्रणी है जबकि इसका राश्ट्रीय औसतर 37 प्रति ात है।

बेहतर आधारभूत सुविधाए तथा सरकार द्वारा व्यापार एवम उधोग को दिए जा रहे अनेक प्रोत्साहनो एवम रियासतो के कारण हरियाणा से निर्यात गत वर्श 10000 करोड रूपये से अधिक हो गया है। तथापित इस वर्श इसके 12000 करोड रूपये से अधिक होने की सभांवना है। निर्यात को बढावा देने के दृश्टिगत राज्य सरकार जिला गुॅडगांव के गढी हरसरू मे 3000 एकड क्षेत्र पर वि ोश आर्थिक जोन स्थापित कर रही है। राज्य सरकार फरीदाबाद एवम गुडगांव मे आटोमोबाइल्ज एवम लाइट इंजीनियरिंग उधोग के समूओ को भी बढावा दे रही है। प्रधानमंत्री रोजगार योजना के तहत गत वर्श के दौरान 8097 ि ाक्षित बेरोजगार युवको को 46.46 करोड रूपये के ऋण वितरित किए गए। इस वर्श इस योजना के तहत 8100 लाभानुभोगियों को वित उपलब्ध करवाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

जिला भिवानी मे गांव कल्याण के ''फलेक्सिबल सैण्ड स्टोन'' को राश्ट्रीय पार्क घोशित करने के लिए एक परियोजना

रिपोर्ट तैयार की गई है। पिजोंर के निकट एक ''फासिल पार्क'' (जीवा म पार्क) स्थापित करने पर भी कार्यवाही की जा रही है।

विज्ञान एवम प्रौधोगिकी

विज्ञान एवम प्रौधोगिकी विभाग उपयुक्त क्षेत्रो मे अनुसंधान एवम विकास को बढावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है। वर्श 2004 को वैज्ञानिक जागरूकता वर्श घोशित किया गया है कल्पना चावला मैमोरियल तारामण्डलो की स्थापना कुरूक्षेत्र मे की जा रही है।

पौधा संवर्द्धन अनुसंधान एवम अनुप्रयोग केन्द्र से ऊतक प्रौधोगिक के माध्यम से गन्ने, सफेद, मूसली एवम अमरूद के व्यावसायिक गुणजो के लिए एक तकनीकी विकसित की है।

हरियाणा राज्य सुदूर संवेदी अनुप्रयोग केन्द्र हरसक ने 42 पराम र्ा एवम तकनीकी योजनांए सफतलापूर्वक पूर्ण की है। इस समय उक्त केन्द्र मे आठ परियोजना पर कार्य चल रहा है।

इलेक्ट्रानिक्स एवम सूचना प्रौधोगिकी

वि व मे हो रहे भूमण्डलीकरण की प्रक्रिया मे सूचना प्रौधोगिकी के महत्व को देखते हुए राज्य सरकार ने प्रदे ा मे एक व्यापक सूचना प्रौधोगिकी नीति लागू की है जिसमे सूचना प्रौधोगि की उधोग को बढावा देने के लिए अनेक प्रोत्साहन दिए गए है। राज्य मे साफ्टवेयर निर्यात कुल निर्यात का 45 प्रति ात है। वर्श

2002–03 मे 4450 करोड रूपये का साफ्टवेयर निर्यात किया गया। गुडगांव क्षेत्र साफ्टवेयर निर्यात मे दे ा मे तीसरे स्थान पर है। नई सूचना प्रौधोगिकी नीति मे सूचना प्रौधोगिकी मे सम्बन्धित उधोगो के लिए आधारभूत संरचना के विकास को प्राथमिकता दी गई है सूचना प्रौधोगिकी उधोग को बढावा देने के उद्दे ाय से गुडगांव मे एक क्षेत्रीय सूचना प्रौधोगिकी उधोग प्रोत्साहन कार्यालय स्थापित किया गया है। हारट्रोन ने राज्य मे विभिन्न स्थानो पर जन साधारण का आई0टी0 की ि ाक्षा प्रदान करने के लिए 74 नई फ्रेंचाइज केन्द्र स्थापित किये है हरियाणा पंजीकरण सूचना प्रणाली (हैरिस) प्रदे ा मे 104 स्थानो पर क्रियान्वित की जा रही है जिसमे सभी तहसील एवम अधिकतर उप तहसील भाामिल है। एक नया एकीकृत साफ्टवेयर, हरियाणा भू अभिलेख सूचना प्रणाली (हालरिस) पायलट आधार पर क्रियान्वित की गई है तथा आंन लाइन खजाना सूचना प्रणाली (ओटिस) राज्य के सभी 21 खजानो एवम 80 उप खजानो मे क्रियान्वित की गई है। सूचना प्रौधोगिकी सम्बन्धी उधोगो को स्थापित करने के लिए गुंडगांव मे 78 एकड भूमि पर एक साईबर सिटी विकासित किया जा रहा है। हारट्रोन की कम्प्यूटर एवम साफ्टवेयर निर्यात इकाइयों के लिए इलेक्ट्रानिक सिटी गुंडगांव मे लगभग छः एकड भूमि पर हाईटैक हैबिटैट केन्द्र स्थापित करने की योजना है जिसमे वि वस्तरीय सुविधांए उपलब्ध होगी।

तकनीकी ि ाक्षा तथा औधोगिक प्रि ाक्षण एवम व्यावसायिक ि ाक्षा

तकनीकी ि ाक्षा के क्षेत्र मे राश्ट्रीय प्रौधोगिकी संस्थान, कुरूक्षेत्र, वाई0एम0सी0 इंस्टीच्यूट आफ इंजीनियरिंग, फरीदाबाद, छोटू राम इंजीनियरिंग महाविधालय मुरथल तथा टेक्नालोजिकल इंस्टीच्यूट आफ टैक्सटाइलःज् एण्ड सांइसिंज, भिवानी मे स्नातकोतर पाठ्यक्रम चलाए जाने पर वि ोश बल दिया जा रहा है जिनमे एम0टैक0 की कुल सीट संख्या 141 से बढकर 226 हो गई है। पन्नीवाला मोटा सिरसा मे स्थापित किया गया नया चौधरी देवी लाल मैमोरियल इंजीनियरिंग कालेज भौक्षणिक सत्र 2003–04 से चालू हो गया है।

प्रदे ा मे तकनीकी ि क्षा की गुण्वता को सुधारने के लिए केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वि व बैक की सहायता से 19.36 करोड रूपये की लागत का एक तकनीकी ि ाक्षा गुणवता सुधार कार्यक्रम स्वीकृत किया गया है। इसके अतिरिक्त सभी डिग्री एकव डिप्लोमा स्तर के पाठ्यक्रमो के लिए एक दक्षता आधारित पाठ्यक्रम को अघतन किया गया है। उतीर्ण होने वाले कम से कम 75 प्रति ात विधार्थियो को रोजगार उपलबध करवाने के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए उधोग संस्थान तालमेल कक्ष सक्रिय किए गए है। इंजीनियरिंग एवम प्रौधोगिकी मे स्नातकोतर कार्यक्रमो को भाुरू करने तथा ऐसे जिले जहां बहुतकनीकी संस्थान नही है उनमे ऐसे संस्थान स्थापित करने पर

वि ोश बल दिया जा रहा है। राजकीय बहुतकनीकी एवम स्वपोशित बहुतनीकी सस्थानो मे काफी मात्राा मे सीटे बढाने का प्रस्ताव है। इसी प्रकार वाई0एम0सी0ए0 इंस्टीच्यूट आफ इजीनियरिंग संस्थान, फरीदाबाद तथा छोटू राम इंजीनियरिंगा महाविधालय मुरथल मे क्रम ाः 90 तथा 120 सीटे बढाने का प्रस्ताव है।

स्वरोजगार स्थापित करने के साथ साथ उधोगो की आव यकतो की पूर्ति के लिए युवाओ और महिलाओ को औधोगिक दक्षता प्रदान करने के महत्व को समझते हुए राजय मे औधोगिक प्र ि ाक्षण संस्थाओ का जाल बिछाया गया है।

वर्श 2003–04 मे व्यवसायिक ि ाक्षा संस्थान, लोहारू का भवन लगभग 40 लाख रूपये की लागत से तैयार किया गया है। औधोगिक प्र ि ाक्षण संस्थान, चौटाला का नया भवन निर्माणाधीन है और गन्नौर मे ऐसा भवन अनुमानतः 230 लाख रूपये की लागत से लगभग तैयार हौने को है। अनुमानतः 128 लाख रूपये की लागत से व्यावसायिक ि ाक्षा संस्थान, पंचकूला एवम टांकडी का निर्माण कार्य प्रगति पर है। वर्श 2003–04 के लिए भवनो के निर्माण हेतु कुल बजट 300 लाख रूपये का है।

व्यावसायिक ि ाक्षा संस्थान, कलाली बलाली और बाण्डाहेडी के नए भवन 60 लाख रूपये की अनुमानित लागत से वर्श 2004–05 मे तैयार करने का प्रस्ताव है।

लोक निमार्ण (भवन एवम सडके)

सभी माननीय सदस्यगण इस तथ्य मे भलीभाति परिचित है कि हरियाणा भारत मे सभी गांवो एवम नगरो को सडको के विस्तृत तंत्र द्वारा जोडने मे अग्रीण राज्य है। मेरी सरकार का जोर वर्तमान सडको के तंत्र का उचित रखरखाव एवम उन्हे उन्नयन करने पर है। चालू वित वर्श के दौरान 2859 किलोमीटर लम्बी सडको का सुधार किया गया तथा 20 किलोमीटर लम्बी नई सडको का निर्माण किया गया। मेरी सरकार का आगामी वित वर्श के दौरान 163 किलोमीटर नई सडको के निर्माण तथा 2080 किलोमीटर वर्तमान सडको के सुधार का प्रस्ताव है। वार्शिक योजना 2003–2004 मे 275 करोड रूपये के सं ाोधित परिव्यय के विरूद्व वर्श 2004–05 के लिए 320 करोड रूपये की योजना के प्रावधान का प्रस्ताव है। मेरी सरकार का सडको के तंत्र का सुधार एवम पुलो के निर्माण हेतू आधारभूत संरचनाओ के लिए वित उपलब्ध करवाने वाली एजेंसियों जैसे हुडको, राश्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड तथा नाबार्ड से संसाधन जुटाने का प्रस्ताव है। आगामी वित वर्श के दौरान 20 पुलो एवम 17 रेलवे ऊपरगामी पुलो के निर्माण करने का प्रस्ताव है।

जन स्वास्थय

मेरी सरकार से चालू वर्श के दौरान ग्रामीण जलापूर्ति योजनओ को संवर्द्धित करने मे उल्लेखनीय प्रगति की है। इस वर्श

के दौरान 470 गांवो मे जलापूर्ति प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 40 लीटर से अधिक किए जाने की आ ाा है। आगामी वित वर्श के दौरान 525 गांव मे ऐसी सुविधा उपलब्ध करवाने का प्रस्ताव है। वर्श 2004–05 के दौरान ग्रामीण जलापूर्ति कार्यक्रम के सवंर्द्धन के लिए 137 करोड रूपये की रा ि ा उपलब्ध करवाई जाएगी। हरियाणा, वि ोशकर राश्ट्रीय राजधानी क्षेत्र मे भाहरी जनसंख्या की बढती दर के दृश्टिगत भाहरी जला पूर्ति एवम मल निकासी योजनाओ मे अधिक पूंजी निवे ा किए जाने की आव यकता है। मेरी सरकार द्वारा आगामी वित वर्श के दौरान भाहरी जलापूर्ति एवम जल निकासी योजना के लिए 50 करोड रूपये तक की रा ि ा जुटाने का प्रस्ताव है। वर्श 2004–05 के दौरान छः भाहरो, नामतः यमुनानगर, जागधरी, करनाल, पानीपत, फरीदाबाद एवम गुडगांव मे यमुना कार्य योजना का दूसरा चरण भी भाुरू किया जाएगा। इस कार्य के लिए जापानी बैक आफ इन्टरने ानल कोआपरे ान द्वारा 62 करोड रूपये की अनुमानित लागत का एक परियोजना प्रस्ताव स्वीकृत किया गया है।

नगर विकास

राज्य सरकारका नगर विकास विभाग भाहरो के सौन्दर्यकरण और पर्यावरण को सुधारने के लिए योजनांए क्रियान्वित कर के लोगो के जीवन स्तर को सुधारने तथा बडे भाहरो मे जनसंख्या के दबाव को कम करने के लिए निवे ा मे वृद्धि कर के छोटे एमव मध्यम कस्बो को विकसित करने के लिए

अनेक प्रभावी कदम उठा रहा है। झोपडपट्टी क्षेत्रो की स्थिति मे सुधार हेतु चालू वित वर्श के लिए 752 लाख रूपये की रा ि ा उपलब्ध करवाई गई है तथा आगामी वित वर्श के लिए 536 लाख रूपये की रा ि ा प्रस्तावित है। चालू वित वर्श के दौरान 300 लाख रूपये की लागत से भाहरी ठोस कचरा प्रबन्ध योजना भी क्रियान्वित की जा रही है, जबकि आगामी वित वर्श के दौरान इतनी ही रा ि ा व्यय करने का प्रस्ताव है। नगरो की आधारभूत सरंचना को सुदृढ करने के लिए 1070 लाख रूपये की लागत से एक योजना क्रियान्वित की जा रही है, जबकि आगामी वित वर्श के दौरान इतनी ही रा ि ा व्यय करने का प्रस्ताव है। नगर निगम, फरीदाबाद तथा अन्य भाहरों मे डेरियो तथा सुअर इकाइयों को नगरपालिका सीमा से बाहर स्थानान्तरित करने की योजना क्रियान्वित की जा रही है।

नगर एवम ग्राम आयेाजन

माननीय सदस्यो! मेरी सरकार कस्बो तथा गावों के चहूमुखंी विकास के लिए कृतसंकल्प है। हाल की मै सरकार ने 'नियाजित ग्राम योजना' कार्यक्रम भाुरू किया है, जिसके तहत बेहतक पर्यावरण उपलब्ध करवाने तथा भाहरी क्षेत्रो की और लोगो के पलायन को रोकने के लिए ग्रामीण क्षेत्रो मे सुनियोजित आवासीय कालोनियां विकसित की जा रही है। गुडगांव के निवासियों को दिल्ली के लिए मांस ट्राजिट लिंक उपलब्ध करवाने हेतू सरकार ने त्रिनगर बिजवासन गुडगांव रूट पर 'समेकित रेल

कम बस ट्राजिम स्कीम' के क्रियान्वित को अपनी सहमति प्रदान कीहै। राश्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड की योजनाओ के तहत लोक महत्व के विभिन्न कार्य किए जा रहे है। हुडा ने प्रदे ा मे 7055 आवासीय प्लाट तथा 1084 औधोगिक प्लाट विज्ञापित किए है। चौधरी देवी लाल की स्मृति मे रोहतक, सिरसा, पानीपत एवम रेवाडी मे टाउन पार्को का निर्माण कर उन्हे लोकार्पित किया जा चुका है जबकि सोनीपत, कैथल और धारूहेडा मे ऐसे टाउन पार्क निर्माणधीन है।

परिवहन सेवांए

मेरी सरकार हरियाणा के लोगो को सस्ती सुरक्षित एवम कु ाल परिवहन सेवांए प्रदान करने के लिए कृतसंकल्प है। हरियाणा परिवहन की 3431 बसे रोजाना लगभग 1088 लाख किलोमीटर की दूरी तय करती है, जिनमे लगभग 11 लाख यात्री रोजनाना यात्रा करते है। गत तीन वर्शो के दौरान 2100 से अधिक पुरानी बसों के स्थान पर नई एवम अत्याधुनिक बसे लगाई गई है। चालू वित वर्श के दौरान लगभग 600 बसो को बदले जाने का प्रस्ताव है। यह गर्व की बात है कि हरियाणा परिवहन कर से पूर्व लाभ अर्जित करने का क्षेत्र ने दे ा के अग्रणी उपक्रमो मे से एक है। वर्श 1999–2000 के दौरान कर से पूर्व लाभ 26 करोड रूपये थे, जो कि वर्श 2002–03 मे बढकर लगभग 120 करोड रूपये हो गया हैं। वर्श 2003–04 के दौरान बसो की खरीद, नए भवनो का निर्माण तथा परिवहन के परिचालन के आधुनिकीकरण के अन्य

कामो के लिए 55 करोड रूपये का योजना परिव्यय निर्धारित किया गया है। ऐसे कार्यो हेतु वर्श 2004–05 के लिए 56 करोड रूपये का परिव्यय प्रस्तावित है।

मेरी सरकार नए बस अड्डो एवम कार्य ाालाओ के निर्माण तथा अन्य आधारभूत संरचना के रख रखाव को उच्च प्राथमिकता दे रही है। इस कार्य हेतू वर्श 2003–04 के लिए 500 लाख रूपये की रा ि ा रखी गई है तथा वर्श 2004–05 के परिव्यय के लिए भी इतनी ही रा ि ा निर्धारित करना प्रस्तावित है।

चालू वर्श के दौरान आधारभूत संरचना एवम सेवाओ के सुधार के लिए परिवहन क्षेत्र मे महत्वपूर्ण कदम उठाए गए है। गांवो को निकटवर्ती नगरो से जोडने वाले मार्गो पर पर्याप्त बस सेवा उपलब्ध करवाने के लिए यात्री परिवहन के आं ि ाक निजीकरण की एक योजना बनाई गई है जिसके तहत राज्य के 747 मार्गो पर 2073 बस परमिट अधिकतम बोली वाले निजी परिवहन आपरेटरो को आफर किये गए है। सिटी बस सर्विस के नाम से एक अन्य योजना प्रारम्भ की गई है जिसके अन्तर्गत उप भाहरी क्षेत्रो सहित फरीदाबाद एवम गुडगांव भाहर तथा गुडगांव दिल्ली तथा फरीदाबाद दिल्ली मार्ग पर साधारण, डीलक्स व वातानुकूलित बस सेवा स्वीकृत की गई है। राज्य सरकार निजी आपरेटरो को डीलक्स एवम वातानुकूलित बस सेवांए संचालित करने के लिए अनुबध कैरिज परमिट प्रदान करने पर विचार कर रही है।

पर्यटन

हरियाणा दे ा मे राजमार्गी पर्यटन तथा घरेलू पर्यटन को बढावा देने के मामले मे एक अग्रणी मार्ग द र्क बन गया है। चालू वर्श के दौरान सरकार ने राज्य मे पर्यटन को बढावा देने वाली गतिविधियों पर वि ोश बल दिया है। फार्म एवम ग्रामीण पर्यटन की एक नई अवधारणा भुरू की गई है जिसके तहत दिल्ली के निकट स्थित 13 फार्म गृहो की पहचान की गई है। घरेलू एवम विदे ाी पर्यटको को इस फार्म गृहो का दौरा करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

पिंजौर गार्डन, पिपल, उचाना एवम पानीपत मे ओएसिस फास्ट फूड सेवा की एक श्रृखंला भुरू की गई है। पंचकूला मे 12 कमरो का एक नया ब्लांक भुरू किया गया है तथा सूरजकुण्ड मे भू–दृ य एवम सौन्दर्यकरण का कार्य पूरा कर लिया गया है। राजा नाहर सिंह महंल, बल्लभगढ का नवीनीकरण कर इसे एक पर्यटन स्थल के रूप मे खोला गया है।

कुरूक्षेत्र को भी एक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल के रूप मे विकसित किया जा रहा है ज्योतिसर मे ध्वनि एवम प्रका ा भाो भुरू किया गया है तथा कुरूक्षेत्र मे होटल प्रबन्धन संस्थान स्थापित किया जा रहा है। मोरनी एकव टिक्करताल क्षेत्र की पर्यटन क्षमताओ का सहासिक पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए

विस्तार किया जा रहा है तथा टिक्करताल मे एक एडवैंचर थीम पार्क स्थापित किया जा रहा है।

राई मे ''एथनिक विलेज'' की एक नई परियोजना स्थापित की जा रही है। राज्य सरकार ने चालू वित वर्श के दौरान पयट्न को प्रोत्साहित करने के लिए 350 लाख रूपये का योजना परिव्यय स्वीकृत किया है तथा इस कार्य हेतू आगामी वित वर्श की वार्शिक योजना के लिए 400 लाख रूपये आंवटित किए गए है। ओटू मे एक नया रेस्टांरेट तथा एक छोटी झील स्थापित करने का प्रस्ताव है बडखल झील, पिजौर, उचाना, पानीपत बहादुरगढ, पिपली, कुरूक्षेत्र एवम हिसार के पर्यटन परिसरों मे उपलब्ध सुविधाओ के आधुनिकीकरण एवम उन्नयय का प्रस्ताव है।

आबकारी एवम कराधान

केन्द्र सरकार द्वारा राज्यो के वित मंत्रियो की अधिकृत समिति के माध्यम से उत्पन्न की गई राश्ट्रीय आम सहमति का सम्मान करते हुए हरियाणा ने मूल्य संवर्द्धित कर प्रणाली (वैट) लागू की है तथा मेरी सरकार ने इस उपलब्धि को प्राप्त करने के लिए उल्लेखनीय राजनैतिक इच्छा भाक्ति एवम उत्साह प्रदर्शित किया है जबकि देश का कोई भी अन्य प्रदेश ऐसा नही कर सका। इसका काफी लाभ प्राप्त हो रहा है। कर राजस्व, जिसमे बिक्री कर, केन्द्रीय बिक्री कर, स्थानीय क्षेत्र विकास कर तथा मनोरंजन कर भाामिल है, में 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए

चालू वित वर्श के दौरान दिसम्बर, 2003 तक 2930 करोड रूपये की रा ि ा प्राप्त की है।

वैट कर संग्रह की एक सरल और उत्तन प्रणाली हैं। यह इस बात से सिद्ध होता है कि इसके सुचारू क्रियान्वित से उन्ही दरो पर राजस्व मे वास्तव मे वृद्धि हुई है वैट तथा केन्द्रीय बिक्री कर प्राप्तियां चालू वित वर्श के दौरान दिसम्बर, 2003 तक 358 करोड रूपये की बढौतरी के साथ 2741 करोड रूपये हो गई हैै। वैट के साथ एकत्रण 2126 करेाड रूपये है, जो कि इस अवधि के दौरान 22 प्रति ात की असाधरण वृद्धि के अनुरूप है। प्रदे ा के कर एकत्रण मे यह वृद्धि क्षेत्र के अन्य राज्यो की तुलना मे सतत् रूप से अधिक ही नही है बल्कि दे ा मे सर्वाधिक है। इस का मुख्य श्रेय प्रदे के व्यापार एवम उधोग को जाता है जिसने वैट को अपनाने मे उल्लेखनीय वि वास दिखाया है जिसके परिणामस्वरूप वैट के बावजूद कीमतो मे वास्तविक तौर पर वृद्धि न होते हुए अधिक राजस्व प्राप्त हुआ।

राजस्व

प्राकृतिक आपदाओ से होने वाली क्षति की पूर्ति के लिए आपदा राहत कोश मे आगामी वित वर्श के लिए 99 करोड रूपये का प्रावधान किया गया है अनुसूचित जाति, पिछडे वर्ग और समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गो के हितो की रक्षा के लिए आवासीय प्लाट आंवटित करने की योजना आगामी वित वर्श मे भी

जारी रहेगी। प्र ाासनिक सेवाओ को एक छत के नीचे उपलब्ध करवाने की राज्य सरकार की नीति के अंतर्गत झज्जर और सिरसा मे प्र ाासकीय खंड के भवन निर्माणाधीन है। जींद, गुडगांव और फरीदाबाद मे लघु सचिवालय परिसरो के प्र ाासनिको खंडो का निर्माण भाुरू किया गया है। 31 मार्च, 2003 तक अंतर्राश्ट्रीय कृशि विकास कोश की वितीय सहायता से मेवात क्षेत्र विकास परियोजना नामक एक अनूठी परियोजना के क्रियान्वयन के लिए 79 करोड रूपये का प्रावधान किया गया था। वित वर्श 2003–04 के दौरान इस परियोजना के क्रियान्वयन के लिए 11 करोड रूपये स्वीकृत है। चालू वित वर्श के दौरान ि ावालिक विकास बोर्ड के अंतर्गत विकास योजनाओ के क्रियान्वयन के लिए 6 करोड रूपये का प्रावधान किया गया है। इस बोर्ड के लिए अगले वित वर्श के दौरान 7 करोड रूपये का प्रस्ताव रखा गया है। हिसार मे छात्रावास सुविधा सहित एक पटवार प्र ि ाक्षण संस्थान का निर्माण किया गया है, जबकि एक अतिरिक्त पटवार प्र ि ाक्षण स्कूल का निर्माण पंचकूला मे करने का प्रस्ताव है। इस पर 80 लाख रूपये खर्च आने का अनुमान है और यह राज्य के उतरी जिलों की आव यकताओ को पूरा करेगा।

कानून एव व्यवस्था

आदरणीय सदस्यो! हब सब जानते है कि समाज के चहुंमूखी विकास के लिए अच्छी कानून एवम व्यवस्था अति आव यक है। प्र ाासन के इस महत्वपूर्ण क्षेत्र की और सरकार ने

पूरा ध्यान दिया है। इसका सुखद परिणाम यह है कि राज्य मे कानून एवम व्यवसाि पूरी तरह नियत्रित है। वर्श 2003 के दौरान अपराध की दर मे कमी आई है। यधापि वर्श 2002 मे अपराधा के 40,179 मामले दर्ज किए गए थे, वर्श 2003 मे इनकी सख्ंया घटकर 38640 हो गई जो इनमे 1539 की कमी द ार्ाता है। वर्श 2003 मे राज्य मे उग्रवाद की कोई घटना नही घटी। समाज के सभी वर्ग राज्य मे भाांति पूर्ण माहौल मे रह रहे है।

चालू वित वर्श मे राज्य मे कोई औधोगिक विवाद नही हुआ है। सभी ि ाक्षा संस्थान बिना किसी तनाव के कार्यरत है। समाज के सभी कमजोर वर्गो, अल्पसख्यकों और महिलाओ की सुरक्षा सुनि ि चत की गई है। पुलिस बल को मजबूत करने के उद्दे य से सिपाहियो, उप निरीक्षको और अन्य पदो पर भर्ती की गई है। भारत सरकार ने हरियाणा राज्य के लिए वर्श 2003 मे द्वितीय इंडिया रिजर्व बटालियन स्वीकृत की है। इस बटानिलयन मे भर्ती की प्रक्रिया भाुरू की गई है। राज्य सरकार पुलिस बल और होम गार्ड के आधुनिकीकरण की और वि ोश ध्यान दे रही है। भारत सरकार के सहयोग से पुलिस बल के आधुनिकीकरण के लिए अनेक पग उठाए गए है। वर्श 2003–04 के दौरान भारत सरकार ने राज्य के पुलिस बल के आधुनिकीकरण के लिए 43 करोड रूपये स्वीकृत किए। अगले वित वर्श पुलिस बल के आधुनिकीकरण के लिए 44 करोड रूपये की रा ि ा निर्धारित की गई है। मुझे यह कहते हुए हर्श हो रहा है कि जिस प्रकार राज्य

सरकार ने पिछले वर्श आंवटित रा ि ा का सदुपयोग किया है उसकी भारत सरकार ने भूरि–भूरि प्र ांसा की है।

राज्य का जेल प्र ाासन सुदृढ किया जा रहा है। गुडगांव मे 1328 कैदियो की क्षमता की नयी जेल बनाने का पहला चरण पूरा कर लिया गया है। नारनौल और करनाल मे नये जेल भवन बनाये गये है और रेवाडी, पानीपत, झज्जर, तथा यमुनानगर मे जेल भवन बनाने के लिए भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है।

गत चार वर्शो दौरान राज्य को एक स्थिर और प्रभावी सरकार दी गई जिसने सुप्र ाासन के लिए कई पग उठाए। मै प्रभावी, उतरदायी, पारद र्ी और स्वच्छ प्र ाासन प्रदान करने के अपनी सरकार के दृढ संकल्प को पुनः दोहराता हू। मुझे वि वास है कि इस सत्र के दौरान दिए गए आपके कीमती सुझाव राज्य के लोगो के विकास, कल्याण और राज्य के चहुमुखी विकास के लिए बेहतर नीतिया और कार्यक्रम बनाने मे सहायक होगें। मै बजट सत्र के अवसर पर एक बार पुनः अपनी भाुभ कामनांए देता हू।

जय हिन्द!

भाोक प्रस्ताव

Mr. Speaker: Now, the Chief Minsiter will make obituary refernces.

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, पिछले अधिवे ान और इस अधिवे ान के बीच मे कुछ राजनेता कुछ समाज सेवी और कुछ दे ा भक्त इस ंसार से चल गए है। मै उनके प्रति अपनी सवेदंना प्रकट करता हू।

श्री मुरासोली मारन, केन्द्रीय मंत्री

यह सदन केन्द्रीय मंत्री श्री मुरासोली मारन के 23 नवम्बर, 2003 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 17 अगस्त, 1934 को हुआ। वह 1967,1971,1996,1998 और 1999 मे लोक सभा के लिए चुने गये। वह तीन बार 1977 से 1995 तक राज्य सभा के सदस्य रहे और 1980–90, 1996–98 तथा अक्तूबर 1999 से अपने निधन के समय तक मंत्री रहे।

श्री मारन एक बहुआयामी व्यक्तिव्य के धनी थे, जिन्होने अपने जीवनकाल मे विभिन्न पदो पर रहते हुए राश्ट्र की महती सेवा की। उन्होने पत्रकारिता, साहित्य और फिल्म निर्माण के क्षेत्रो मे भी कार्य किया है। उन्हेानै भारत के प्रथम क्षेत्रीय सेटेलाइट दूरद र्ान चैनल को स्थापित करने मे सराहनीय भूमिका निभाई। वाणिज्य और उधोग मंत्री के रूप मे उनका कार्यकाल इस बात के लिये याद रखा जाएगा कि उन्होने निर्यात को बढाव देने के लिए कई पहल की दोहा, कतर मे आयोजित वि व व्यापार संगठन के

सम्मेलन मे उन्होने भारत तथा अन्य विकास ील राश्ट्रो के हितो की जोरदार पैरवी की है। उन्होने विभिन्न अन्तरोश्ट्रीय मचो पर ख्याति अर्जितत की।

उनके निधन से दे ा एक प्रखर सांसद और योग्य प्र ाासक की की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री रामकृश्ण हेगडे, भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री

यह सदन भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री रामकृश्ण हेगडे, के 12 जनवरी, 2004 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 29 अगस्त, 1926 को हुआ। वह एम0एल0, एल0ए0बी0 थे। उन्होने स्वतंत्रता आन्दोलन मे सक्रिय भाग लिया और ''भारत छोडो आन्दोलन'' के दौरान जेल गए। वह छह बार कर्नाटन विधान सभा के लिये चुने गऐ। वह 1957 कर्नाटक के उप मंत्री तथा 1962 से 1971 तक मंत्री रहे। वह 1983 से 1988 तक दो बार कर्नाटक के मुख्यमंत्री रहे। उन्होने 1988 मे जनता दल के गठन मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह 1989–90 मे भारत के आयोग के उपाध्यक्ष केन्द्रीय मंत्री रहे। वह मूल्य आधारित राजनीति के पक्षधर थे। उन्हे विन्रम राजनीतिक्ष के रूप मे याद किया जाता रहेगा।

उनके निधन से दे ा एक प्रखर सांसद और योग्य प्र ाासक की की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री कु ाभाऊ ठाकरे, भूतपूर्व भाजपा अध्यक्ष

यह सदन भूतपूर्व भाजपा अध्यक्ष श्री कु ाभाऊ ठाकरे के 28 सितम्बर, 2004 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 15 अगस्त, 1922 को हुआ। वह अपने जीवन के प्रारम्भिक वर्शो से ही समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता थे वह तत्कालीन जनसघ के सस्थापक सदस्यो मे से एक थे। वह 1967 मे जनसंघ के अखिल भारतीय सचिव बने। वह 1978–79 के दौरान लोक सभा के सदस्य रहे। वह 1984 से 1986 तथा 1991 से 1993 तक भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष रहे। वह 1998 से 2000 तक भारतीय जना पार्टी के अध्यक्ष रहे। उन्होने अपना सम्पूर्ण जीवन जन सेवा को समर्पित किया। वह नई पीढी के लिये एक प्रेरणा स्त्रोत थे।

उनके निधन से दे ा एक प्रखर सांसद और योग्य प्र ाासक की की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री बलवंत राय तायल, हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री

यह सदन हरियाणा भूतपूर्व मंत्री श्री बंलवत राय तायल के 15 दिसम्बर, 2004 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 4 अक्तूबर, 1918 को हुआ। उन्होने 1942 स्वतंत्रता आन्दोलन मे सक्रिय भाग लिया और ''भारत छोडो आन्दोलन'' के दौरान जेल गए। वह गान्धी जी के अनुयायी थे तथा उन्होने सर्वोदय और भाराबबंदी के लिये कार्य किया। वह 1952 और 1957 मे सयुक्त पजांब विधान सभा के सदस्य चुने गये। वह 1956 मे उप मंत्री रहे। वह 1968 और 1977 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये और 1979–80 के दौरान मंत्री रहे।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक और योग्य प्र ाासक की की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री कन्हैया लाल पोसवाल हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री

यह सदन हरियाणा भूतपूर्व मंत्री श्री कन्हैया लाल पोसवाल के 22 सितम्बर, 2004 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 5 मई, 1922 को हुआ। उन्होने विधि स्नातक की डिग्री प्राप्त की। उन्होने 1942 स्वतंत्रता आन्दोलन मे सक्रिय भाग लिया और ''भारत छोडो आन्दोलन'' के दौरान जेल गए। वह 1962 मे सयुक्त पजांब विधान सभा तथा 1968,1972 और 1977 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये। वह 1966–1967, 1968–1977 ओर 1981–82 के दौरान मंत्री रहे। वह 1996 से 1998 तक राज्य सभा के सदस्य भी रहे। उन्होने दे ा विदे ाो का दौरा किया।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक और योग्य सांसद की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री मेहर सिह राठी, हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री

यह सदन हरियाणा भूतपूर्व मंत्री श्री मेहर सिंह राठी के 9 नवम्बर , 2004 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 15 फरवरी, 1928 को हुआ। उन्होने गरीब तथा दलित लोगो के उत्थान के लिए कार्य किया। वह 1977 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये और 1978–1982 के दौरान मंत्री रहे।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक और योग्य प्र ाासक की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री नेकी राम, भूतपूर्व सांसद

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व सांसद श्री नेकी राम के 20 दिसम्बर, 2004 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 1922 को हुआ। उन्होने स्वतंत्रता आन्दोलन मे सक्रिय भाग लिया वह गान्धी जी के अनुयायी थे। वह 1960 से 1966 और पुनः 1966 से 1972 तक राज्य सभा के सदस्य रहे। वह 1982 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य भी चुने गये।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक और योग्य सांसद की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

कामरेड भान सिंह भौरा, सांसद तथा सयुक्त पजांब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन सांसद तथा सयुक्त पजांब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य कामरेड भान भौरा के 3 जनवरी, 2004 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका 4 सितम्बर, 1934 कौ हुआ। उन्होने स्नातक डिग्री प्राप्त की। वह 1962 मे सयुक्त पजांब विधान सभा ओर 1967 मे पजांब विधान सभा के सदस्य चुने गये। वह 1971 और 1999 मे लोक सभा के लिए चुने गये।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी सांसद की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री साधु राम सैनी, सयुक्त पजांब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व सांसद श्री साधु राम सैनी, 11 सितम्बर, 2004 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 1919 को हुआ। वह 1952 और 1957 मे सयुक्त पजांब विधान सभा के सदस्य चुने गये। उन्होने स्वतंत्रता आन्दोलन मे सक्रिय भाग लिया और कई बार जेल गए। वह हरियणा स्वतंत्रता सेनानी सम्मान समिति के चेयरमैन भी रहे।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक और स्वतंत्रता सेनानी की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन

दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री रामे ावर दत भाास्त्री, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व सदस्य श्री रामे वर दत भाास्त्री के 26 जनवरी, 2004 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 1916 को हुआ। उन्होने इलाहाबाद वि ववविधालय से साहित्य रत्न की डिग्री प्राप्त की। उन्होने स्वतंत्रता आन्दोलन मे सक्रिय भाग लिया वह 1967 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्रीमती बसन्ती देवी, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा की भूतपूर्व सदस्य श्रीमती बंसन्ती देवी के 5 फरवरी, 2004 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 5 अक्तूबर, 1928 को हुआ। उन्होने एफ0ए0 की डिग्री प्राप्त की। वह 1982 मे हरियाणा विधान सभा

की सदस्या चुनी गयी। उन्होने सैनिको और भूतपूर्व सैनिको की पत्नियों के कल्याण के लिये कार्य किया।

उनके निधन से दे ा एक योग्य विधायक और स्वतंत्रता सेनानी की सेवाओ से वचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

हरियाणा के स्वतन्त्रता सेनानी

यही सदन उन स्वतन्त्रता सेनानियों के निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है, जिन्होने दे ा की आजादी के संघर्श मे अपने बहुमूल्य योगदान दिया।

इस महान स्वतन्त्रता सेनानियो के नाम इस प्रकार से है'–

1. श्री जोध सिंह चौधरी, अम्बाला ।

2. श्री करतार सिंह, गांव पंजोडी, अम्बाला।

3. श्री प्रेम सिंह साहनी, गांव नाहरपुर, यमुनानगर।

4. श्री मनोहर लाल दता, यमुनानगर।

5. श्री मोहन लाल, गांव कांलवा, जिला जींद।

6. श्री फौजा सिह, गांव खरकडा, जिला जींद।

7. श्री कन्धारा सिंह सीमा, गांव छपपर जिला जींद।

8. श्री लक्खी राम, गांव फिरोजपुर बागंर, सोनीपत

9. श्री चन्द्रभान पालीवाल, गांव जटोला, सोनीपत।

10. श्री रवि रत्न बैरागी, गांव छतेहरा, सोनीपत।

11. श्री गंगा दयाल भार्मा, जिला सोनीपत।

12. श्री धन्न सिंह, गांव छपार, भिवानी।

13. श्री भाम्भु दयाल, गांव कालियावास, जिला भिवानी।

14. श्री कन्ही राम, गांव भांडवा, जिला भिवानी।

15. श्री रतन सिंह ठाकुर, हिसार।

16. श्री कुरडा राम, गांव दडौली, हिसार।

17. श्री भाग सिंह, गांव नाडा, जिला हिसार।

18. श्री छोटे लाल भार्मा, गांव भोरपुर, जिला गुडगांव।

19. राव कंवर सिंह, गांव दौलताबाद कुणी, जिला गुडगांव।

20. श्री राम राम, गांव पृथला, जिला फरीदाबाद।

21. श्री ि ाव लाल डागर, गांव झाडसेतली, जिला फरीदाबाद।

22. श्री ह्रदय अग्रवाल, फरीदाबाद।

23. श्री जागे राम, गांव बराही, जिला झज्जर।

24. श्री सुरजन सिंह, गांव खुगाई, जिला झज्जर।

25. श्री पोहकर सिह, गांव कानौदा, जिला झज्जार।

26. श्री जती राम, गांव ढुडंवा, जिला कैथल।

27. श्री हरिराम फौगाट, गांव भालौट, जिला रोहतक।

28. श्री अमीर सिंह, गांव मदीना, जिला रोहतक।

29. श्री रण सिंह, गांव पाक्समां, जिला रोहतक।

30. श्री मनी राम सहारना, गांव जसाणिायां, जिला सिरसा।

31. श्री मूल चंद, गांव मौहंदीपुर, जिला रेवाडी।

32. श्री जगीर सिंह बैरागी, जिला कुरूक्षेत्र

यह सदन इन महान् स्वतंत्रता सैनानी को भात भात नमन करता है और इनको भाोक संतप्त परिवारों के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

हरियणा के भाहीद

यह सदन उन वीर सैनिको को अपना अश्रुपूर्ण नमन करता है। जिन्होने मातृभूमि की एकता और अखण्डता की रक्षा के लिए अदम्य साहस और वीरता से लडते हुए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया।

इन महान् वीर सैनिको के नाम इस प्रकार हैः—

1. मेजर नवतीत वत्स, पंचकुला
2. लैफ्टिनैन्ट धीरेन्द्र सिह, गांव हुरिथल, जिला फरीदाबाद।
3. कमांडेट रण्वीर सिंह, गांव करहंस, जिला पानीपत।
4. इंस्पैक्टर धर्म सिंह, गांव हसनगढ, जिला रोहतक।
5. सूबेदार बबरू भान, गांव आदमपुर डाढी, जिला भिवानी।
6. नायब सूबेदार प्रभु सिंह, गांव रामपुरा, जिला भिवानी।
7. हवलदार नरे ा सैनी, गांव गधौली, जिला अम्बाला।
8. हवलदार प्रताप सिंह, गांव पाक्समां, जिला रोहतक।

9. हवलदार अ ाोक कुमार, गांव बहालगढ, जिला झज्जर।

10. हवालदार लाल सिंह, गांव मुण्डाहेडा, जिला झज्जर।

11. हवलदार राजपाल, गांव बामला, जिला भिवानी।

12. हवलदार राजकुमार अहलावत, गांव बलम्भा, जिला रोहतक।

13. हवलदार सतपाल सिह गांव चनाना, जिला भिवानी।

14. हवलदार राम अवतार, गांव राजपुरा खरखडी, जिला भिवानी।

15. लांस नायक जय सिह, गांव कुब्जानगर, जिला भिवानी।

16. लांस नायक सती ा कुमार, गांांव पथरेडी, जिला गुडगांव।

17. सिपाही रमे ा कुमार, गांव भागवी, जिला भिवानी।

18. सिपाही सुरेन्द्र सिह, गाव थाना कंला, जिला सोनीपत।

19. सिपही कुलदीप सिंह, गांव भागवी, जिला भिवानी।

20. सिपाही धर्मपाल, गांव खानपुर कंला, जिला सोनीपत।

21. सिपाही रसबीर सिंह, गांव सीसर जिला जीन्द।

22. सिपाही गुलाब सिंह, गांव बवानीखेडा, जिला भिवानी।

23. सिपाही विरेन्द्र सिंह, गांव गंजबूर, जिला पानीपत।

24. सिपाही लोके ा, गांव सुलतानपुर, जिला गुडगांव।

25. सिपाही सतबीर सिंह, गांव ढाणी हरसुख, जिला भिवानी।

26. सिपही प्रेम सिह, गांव खेडी बतर, जिला भिवानी।

27. सिपाही ब्रहादत, गांव रूडकी, जिला रोहतक।

28. सिपाही अ ाोक भार्मा, गांव बूढाखेडा लाठर, जिला जींद।

29. सिपाही राम निवास, गांव देहरा, जिला पानीपत।

30. सिपाही राजे ा कुमार, गांव धनाना, जिला भिवानी।

31. सिपाही रामकि ान, गांव मिसरी, जिला भिवानी।

32. सिपाही सुरेन्द्र सिह, जिला भिवानी।

33. सिपाही उमे ा कुमार, जिला भिवानी।

34. सिपाही विजयपाल, गांव सहारनवास, जिला रेवाडी।

35. सिपाही चन्द्रभान, गांव झोलरी, जिला रेवाडी।

36. सिपाही सूबे सिंह, गांव पधाना, जिला करनाल।

यह सदन इन महान् स्वतंत्रता सैनानी को भात भात नमन करता है और इनको भाोक संतप्त परिवारों के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

मक्का दुर्घटना

यह सदन 1 फरवरी, 2004 को मक्का के नजदीक मीना मे भगदड से मरने वाले श्रद्धालुओ के दुखद व असामयिक निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवगंतो के भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन हरियाणा के ि ाक्षा राज्य मंत्री श्री बहादुर सिंह के बडे भाई, **चौधरी धन्ना राम** के दुखद निधन पर गहरा भाोक पकट करता है।

यह सदन दिवगंतो के भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री भूपेन्द्र सिंह (किलोई): अध्यक्ष महोदय, जैसा कि सदन के नेता ने कहा है मै भी उनकी भावनाओ से जुडते हुए जो बहुत से वि ि ाश्ट व्यक्ति हमारे बीच मे नही रहे, जिनका समाज हमारे लिए बहुत बडा योगदान रहा, उसमे मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवदेना प्रकट करता है। उनमे से पहले भाोक प्रस्ताव केन्द्रीय मंत्री श्री मुरासोली मारन के 23 नवम्बर, 2003 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। उनका जन्म 17 अगस्त, 1934 को हुआ। वह 1967,1971,1996,1998 और 1999 मे लोक सभा के लिए चुने गये। वह तीन बार 1977 से 1995 तक राज्य सभा के सदस्य रहे और 1980–90, 1996–98 तथा अक्तूबर 1999 से अपने निधन के समय तक मंत्री रहे। श्री मारन एक बहुआयामी व्यक्तिव्य के धनी थे, जिन्होने अपने जीवनकाल मे विभिन्न पदो पर रहते हुए राश्ट्र की महती सेवा की। उन्होने पत्रकारिता, साहित्य और फिल्म निर्माण के क्षेत्रो मे भी कार्य किया है। उन्हेानै भारत के प्रथम क्षेत्रीय सेटेलाइट दूरद र्ान चैनल को स्थापित करने मे सराहनीय भूमिका निभाई। वाणिज्य और उधोग

मंत्री के रूप मे उनका कार्यकाल इस बात के लिये याद रखा जाएगा कि उन्होने निर्यात को बढाव देने के लिए कई पहल की दोहा, कतर मे आयोजित वि व व्यापार संगठन के सम्मेलन मे उन्होने भारत तथा अन्य विकास ील राश्ट्रो के हितो की जोरदार पैरवी की है। उन्होने विभिन्न अन्तरोश्ट्रीय मचो पर ख्याति अर्जितत की। उनके निधन से दे ा एक प्रखर सांसद और योग्य प्र ाासक की की सेवाओ से वचित हो गया है। मै अपनी ओर से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री रामकृश्ण हेगडे, के 12 जनवरी, 2004 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। उनका जन्म 29 अगस्त, 1926 को हुआ। वह एम0एल0, एल0ए0बी0 थे। उन्होने स्वतंत्रता आन्दोलन मे सक्रिय भाग लिया और ''भारत छोडो आन्दोलन'' के दौरान जेल गए। वह छह बार कर्नाटन विधान सभा के लिये चुने गऐ। वह 1957 कर्नाटक के उप मंत्री तथा 1962 से 1971 तक मंत्री रहे। वह 1983 से 1988 तक दो बार कर्नाटक के मुख्यमंत्री रहे। उन्होने 1988 मे जनता दल के गठन मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह 1989–90 मे भारत के आयोग के उपाध्यक्ष केन्द्रीय मंत्री रहे। वह मूल्य आधारित राजनीति के पक्षधर थे। उन्हे विन्रम राजनीतिक्ष के रूप मे याद किया जाता रहेगा। उनके निधन से दे ा एक प्रखर सांसद और योग्य

प्र ाासक की की सेवाओ से वचित हो गया है। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से भूतपूर्व भाजपा अध्यक्ष श्री कु ाभाऊ ठाकरे के 28 सितम्बर, 2004 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। उनका जन्म 15 अगस्त, 1922 को हुआ। वह अपने जीवन के प्रारम्भिक वर्शो से ही समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता थे वह तत्कालीन जनसघ के सस्थापक सदस्यो मे से एक थे। वह 1967 मे जनसंघ के अखिल भारतीय सचिव बने। वह 1978–79 के दौरान लोक सभा के सदस्य रहे। वह 1984 से 1986 तथा 1991 से 1993 तक भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष रहे। वह 1998 से 2000 तक भारतीय जना पार्टी के अध्यक्ष रहे। उन्होने अपना सम्पूर्ण जीवन जन सेवा को समर्पित किया। वह नई पीढी के लिये एक प्रेरणा स्त्रोत थे। उनके निधन से दे ा एक प्रखर सांसद और योग्य प्र ाासक की की सेवाओ से वचित हो गया है। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हरियाणा भूतपूर्व मंत्री श्री बंलवत राय तायल के 15 दिसम्बर, 2004 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। उनका जन्म 4 अक्तूबर, 1918 को हुआ। उन्होने 1942

स्वतंत्रता आन्दोलन मे सक्रिय भाग लिया और ''भारत छोडो आन्दोलन'' के दौरान जेल गए। वह गान्धी जी के अनुयायी थे तथा उन्होने सर्वोदय और भाराबबंदी के लिये कार्य किया। वह 1952 और 1957 मे सयुक्त पजांब विधान सभा के सदस्य चुने गये। वह 1956 मे उप मंत्री रहे। वह 1968 और 1977 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये और 1979–80 के दौरान मंत्री रहे। उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक और योग्य प्र ाासक की की सेवाओ से वचित हो गया है। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हरियाणा भूतपूर्व मंत्री श्री कन्हैया लाल पोसवाल के 22 सितम्बर, 2004 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। उनका जन्म 5 मई, 1922 को हुआ। उन्होने विधि स्नातक की डिग्री प्राप्त की। उन्होने 1942 स्वतंत्रता आन्दोलन मे सक्रिय भाग लिया और ''भारत छोडो आन्दोलन'' के दौरान जेल गए। वह 1962 मे सयुक्त पजांब विधान सभा तथा 1968,1972 और 1977 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये। वह 1966–1967, 1968–1977 ओर 1981–82 के दौरान मंत्री रहे। वह 1996 से 1998 तक राज्य सभा के सदस्य भी रहे। उन्होने दे ा विदे ाो का दौरा किया।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक और योग्य सांसद की सेवाओ से वचित हो गया है। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हरियाणा भूतपूर्व मंत्री श्री मेहर सिंह राठी के 9 नवम्बर , 2004 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 15 फरवरी, 1928 को हुआ। उन्होने गरीब तथा दलित लोगो के उत्थान के लिए कार्य किया। वह 1977 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये और 1978–1982 के दौरान मंत्री रहे।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक और योग्य प्र ाासक की सेवाओ से वचित हो गया है। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हरियाणा के भूतपूर्व सांसद श्री नेकी राम के 20 दिसम्बर, 2004 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 1922 को हुआ। उन्होने स्वतंत्रता आन्दोलन मे सक्रिय भाग लिया वह गान्धी जी के अनुयायी थे। वह

1960 से 1966 और पुनः 1966 से 1972 तक राज्य सभा के सदस्य रहे। वह 1982 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य भी चुने गये।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक और योग्य सांसद की सेवाओ से वचित हो गया है। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से सांसद तथा सयुक्त पजांब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य कामरेड भान भौरा के 3 जनवरी, 2004 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका 4 सितम्बर, 1934 कौ हुआ। उन्होने स्नातक डिग्री प्राप्त की। वह 1962 मे सयुक्त पजांब विधान सभा ओर 1967 मे पजांब विधान सभा के सदस्य चुने गये। वह 1971 और 1999 मे लोक सभा के लिए चुने गये।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी सांसद की सेवाओ से वचित हो गया है। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हरियाणा के भूतपूर्व सांसद श्री साधु राम सैनी, 11

सितम्बर, 2004 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 1919 को हुआ। वह 1952 और 1957 मे सयुक्त पजांब विधान सभा के सदस्य चुने गये। उन्होने स्वतंत्रता आन्दोलन मे सक्रिय भाग लिया और कई बार जेल गए। वह हरियणा स्वतंत्रता सेनानी सम्मान समिति के चेयरमैन भी रहे।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक और स्वतंत्रता सेनानी की सेवाओ से वचित हो गया है। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हरियाणा के भूतपूर्व सदस्य श्री रामे वर दत भाास्त्री के 26 जनवरी, 2004 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 1916 को हुआ। उन्होने इलाहाबाद वि ववविधालय से साहित्य रत्न की डिग्री प्राप्त की। उन्होने स्वतंत्रता आन्दोलन मे सक्रिय भाग लिया वह 1967 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक की सेवाओ से वचित हो गया है। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की

तरफ से दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हरियाणा विधान सभा की भूतपूर्व सदस्य श्रीमती बंसन्ती देवी के 5 फरवरी, 2004 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 5 अक्तूबर, 1928 को हुआ। उन्होने एफ0ए0 की डिग्री प्राप्त की। वह 1982 मे हरियाणा विधान सभा की सदस्या चुनी गयी। उन्होने सैनिको और भूतपूर्व सैनिको की पत्नियों के कल्याण के लिये कार्य किया।

उनके निधन से दे ा एक योग्य विधायक और स्वतंत्रता सेनानी की सेवाओ से वचित हो गया है। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से उन स्वतन्त्रता सेनानियों के निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है, जो हमे छोडकर चले गए है इन स्वतंत्रता सेनानियों ने दे ा की आजादी के संघर्श मे अपना बहुमूल्य योगदान दिया है। इस महान स्वतन्त्रता सेनानियो के नाम इस प्रकार से है'– श्री जोध सिंह चौधरी, अम्बाला , श्री करतार सिंह, गांव पंजोडी, अम्बाला ,श्री प्रेम सिंह साहनी, गांव नाहरपुर, यमुनानगर ,श्री

मनोहर लाल दता, यमुनानगर ,श्री मोहन लाल, गांव कांलवा, जिला जींद, श्री फौजा सिह, गांव खरकडा, जिला जींद, श्री कन्धारा सिंह सीमा, गांव छपपर जिला जींद, श्री लक्खी राम, गांव फिरोजपुर बागंर, सोनीपत ,श्री चन्द्रभान पालीवाल, गांव जटोला, सोनीपत, श्री रवि रत्न बैरागी, गांव छतेहरा, सोनीपत, श्री गंगा दयाल भार्मा, जिला सोनीपत, श्री धन्न सिंह, गांव छपार, भिवानी , श्री भाम्भु दयाल, गंाव कालियावास, जिला भिवानी, श्री कन्ही राम, गांव भांडवा, जिला भिवानी , श्री रतन सिंह ठाकुर, हिसार, श्री कुरडा राम, गांव दडौली, हिसार ,श्री भाग सिंह, गांव नाडा, जिला हिसार , श्री छोटे लाल भार्मा, गांव भोरपुर, जिला गुडगांव , राव कंवर सिंह, गांव दौलताबाद कुणी, जिला गुडगांव , श्री राम राम, गांव पृथला, जिला फरीदाबाद, श्री ि ाव लाल डागर, गांव झाडसेतली, जिला फरीदाबाद, श्री ह्रदय अग्रवाल, फरीदाबाद, श्री जागे राम, गांव बराही, जिला झज्जर , श्री सुरजन सिंह, गांव खुगाई, जिला झज्जर, श्री पोहकर सिह, गांव कानौदा, जिला झज्जार, श्री जती राम गांव ढुडंवा, जिला कैथल ,श्री हरिराम फौगाट, गांव भालौट, जिला रोहतक, श्री अमीर सिंह, गांव मदीना, जिला रोहतक, श्री रण सिंह, गांव पाक्समां, जिला रोहतक, श्री मनी राम सहारना, गांव जसाणिायां, जिला सिरसा, श्री मूल चंद, गांव मौहंदीपुर, जिला रेवाडी , श्री जगीर सिंह बैरागी, जिला कुरूक्षेत्र

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की और से इन महान् स्वतंत्रता सैनानी को भात भात नमन करता है

और इनको भाोक संतप्त परिवारों के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की और से उन वीर सैनिको को अपना अश्रुपूर्ण नमन करता है। जिन्होने मातृभूमि की एकता और अखण्डता की रक्षा के लिए अदम्य साहस और वीरता से लडते हुए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया। इन महान् वीर सैनिको के नाम इस प्रकार हैः— मेजर नवतीत वत्स, पंचकुला ,लैफ्टिनैन्ट धीरेन्द्र सिह, गांव हुरिथल, जिला फरीदाबाद, कमांडेट रण्वीर सिंह, गांव करहंस, जिला पानीपत, इंस्पैक्टर धर्म सिंह, गांव हसनगढ, जिला रोहतक, सूबेदार बबरू भान, गांव आदमपुर डाढी, जिला भिवानी, नायब सूबेदार प्रभु सिंह, गांव रामपुरा, जिला भिवानी, हवलदार नरे ा सैनी, गांव गधौली, जिला अम्बाला, हवलदार प्रताप सिंह, गांव पाक्समां, जिला रोहतक , हवलदार अ ाोक कुमार, गांव बहालगढ, जिला झज्जर, हवालदार लाल सिंह, गांव मुण्डाहेडा, जिला झज्जर, हवलदार राजपाल, गांव बामला, जिला भिवानी, हवलदार राजकुमार अहलावत, गांव बलम्भा, जिला रोहतक, हवलदार सतपाल सिह गांव चनाना, जिला भिवानी, हवलदार राम अवतार, गांव राजपुरा खरखडी, जिला भिवानी, लांस नायक जय सिह, गांव कुब्जानगर, जिला भिवानी, लांस नायक सती ा कुमार, गांव पथरेडी, जिला गुडगांव, सिपाही रमे ा कुमार, गांव भागवी, जिला भिवानी, सिपाही सुरेन्द्र सिह, गाव थाना कंला, जिला सोनीपत, सिपही

कुलदीप सिंह, गांव भागवी, जिला भिवानी, सिपाही धर्मपाल, गांव खानपुर कंला, जिला सोनीपत, सिपाही रसबीर सिंह, गांव सीसर जिला जीन्द, सिपाही गुलाब सिंह, गांव बवानीखेडा, जिला भिवानी, सिपाही विरेन्द्र सिंह, गांव गंजबूर, जिला पानीपत, सिपाही लोके ा, गांव सुलतानपुर, जिला गुडगांव, सिपाही सतबीर सिंह, गांव ढाणी हरसुख, जिला भिवानी, सिपही प्रेम सिह, गांव खेडी बतर, जिला भिवानी, सिपाही ब्रहादत, गांव रूडकी, जिला रोहतक, सिपाही अ ाोक भार्मा, गांव बूढाखेडा लाठर, जिला जींद, सिपाही राम निवास, गांव देहरा, जिला पानीपत, सिपाही राजे ा कुमार, गांव धनाना, जिला भिवानी, सिपाही रामकि ान, गांव मिसरी, जिला भिवानी, सिपाही सुरेन्द्र सिह, जिला भिवानी, सिपाही उमे ा कुमार, जिला भिवानी, सिपाही विजयपाल, गांव सहारनवास, जिला रेवाडी, सिपाही चन्द्रभान, गांव झोलरी, जिला रेवाडी, सिपाही सूबे सिंह, गांव पधाना, जिला करनाल।

मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से इन महान् स्वतंत्रता सैनानी को भात भात नमन करता है और इनको भाोक संतप्त परिवारों के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से 1 फरवरी, 2004 को मक्का के नजदीक मीना मे भगदड से मरने वाले श्रद्धालुओ के दुखद व असामयिक निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से

दिवगंतो के भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हरियाणा के ि ाक्षा राज्य मंत्री श्री बहादुर सिंह के बडे भाई, **चौधरी धन्ना राम** के दुखद निधन पर गहरा भाोक पकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवगंतो के भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री कृ ण्णपाल (मेवात महारजपुर): अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव सदन मे प्रस्तुत किए है मै अपने आप को तथा अपनी पार्टी भारतीय जनता पार्टी को उसके साथ जोडते हुए उन महान विभूतियों का, जो पिछले विधान सभा सत्र से इस विधान सभा सत्र के बीच मे इस संसार से विदा हो गए है, श्रद्धांजलि अर्पित करता हू। उनमे से पहले भाोक प्रस्ताव केन्द्रीय मंत्री श्री मुरासोली मारन के 23 नवम्बर, 2003 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। उनका जन्म 17 अगस्त, 1934 को हुआ। वह 1967,1971,1996,1998 और 1999 मे लोक सभा के लिए चुने गये। वह तीन बार 1977 से 1995 तक राज्य सभा के सदस्य रहे और 1980–90, 1996–98 तथा अक्तूबर 1999 से अपने निधन के समय तक मंत्री रहे। श्री मारन एक बहुआयामी व्यक्तिव्य के धनी थे, जिन्होने अपने जीवनकाल मे विभिन्न पदो पर

रहते हुए राश्ट्र की महती सेवा की। उन्होने पत्रकारिता, साहित्य और फिल्म निर्माण के क्षेत्रो मे भी कार्य किया है। उन्होनै भारत के प्रथम क्षेत्रीय सेटेलाइट दूरद र्न चैनल को स्थापित करने मे सराहनीय भूमिका निभाई। वाणिज्य और उधोग मंत्री के रूप मे उनका कार्यकाल इस बात के लिये याद रखा जाएगा कि उन्होने निर्यात को बढाव देने के लिए कई पहल की दोहा, कतर मे आयोजित वि व व्यापार संगठन के सम्मेलन मे उन्होने भारत तथा अन्य विकास ील राश्ट्रो के हितो की जोरदार पैरवी की है। उन्होने विभिन्न अन्तरोश्ट्रीय मचो पर ख्याति अर्जितत की। उनके निधन से दे ा एक प्रखर सांसद और योग्य प्र ाासक की की सेवाओ से वचित हो गया है। मै अपनी ओर से और अपनी पार्टी की तरफ सै दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री रामकृश्ण हेगडे, के 12 जनवरी, 2004 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। उनका जन्म 29 अगस्त, 1926 को हुआ। वह एम0एल0, एल0ए0बी0 थे। उन्होने स्वतंत्रता आन्दोलन मे सक्रिय भाग लिया और ''भारत छोडो आन्दोलन'' के दौरान जेल गए। वह छह बार कर्नाटन विधान सभा के लिये चुने गऐ। वह 1957 कर्नाटक के उप मंत्री तथा 1962 से 1971 तक मंत्री रहे। वह 1983 से 1988 तक दो बार कर्नाटक के मुख्यमंत्री रहे। उन्होने 1988 मे जनता दल के

गठन मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह 1989–90 मे भारत के आयोग के उपाध्यक्ष केन्द्रीय मंत्री रहे। वह मूल्य आधारित राजनीति के पक्षधर थे। उन्हे विन्रम राजनीतिक्ष के रूप मे याद किया जाता रहेगा। उनके निधन से दे ा एक प्रखर सांसद और योग्य प्र ाासक की की सेवाओ से वचित हो गया है। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से भूतपूर्व भाजपा अध्यक्ष श्री कु ाभाऊ ठाकरे के 28 सितम्बर, 2004 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। उनका जन्म 15 अगस्त, 1922 को हुआ। वह अपने जीवन के प्रारम्भिक वर्शो से ही समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता थे वह तत्कालीन जनसघ के सस्थापक सदस्यो मे से एक थे। वह 1967 मे जनसंघ के अखिल भारतीय सचिव बने। वह 1978–79 के दौरान लोक सभा के सदस्य रहे। वह 1984 से 1986 तथा 1991 से 1993 तक भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष रहे। वह 1998 से 2000 तक भारतीय जना पार्टी के अध्यक्ष रहे। उन्होने अपना सम्पूर्ण जीवन जन सेवा को समर्पित किया। वह नई पीढी के लिये एक प्रेरणा स्त्रोत थे। उनके निधन से दे ा एक प्रखर सांसद और योग्य प्र ाासक की की सेवाओ से वचित हो गया है। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हरियाणा भूतपूर्व मंत्री श्री बंलवत राय तायल के 15 दिसम्बर, 2004 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। उनका जन्म 4 अक्तूबर, 1918 को हुआ। उन्होने 1942 स्वतंत्रता आन्दोलन मे सक्रिय भाग लिया और ''भारत छोडो आन्दोलन'' के दौरान जेल गए। वह गान्धी जी के अनुयायी थे तथा उन्होने सर्वोदय और भाराबबंदी के लिये कार्य किया। वह 1952 और 1957 मे सयुक्त पजांब विधान सभा के सदस्य चुने गये। वह 1956 मे उप मंत्री रहे। वह 1968 और 1977 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये और 1979–80 के दौरान मंत्री रहे। उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक और योग्य प्र ाासक की की सेवाओ से वचित हो गया है। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हरियाणा भूतपूर्व मंत्री श्री कन्हैया लाल पोसवाल के 22 सितम्बर, 2004 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। उनका जन्म 5 मई, 1922 को हुआ। उन्होने विधि स्नातक की डिग्री प्राप्त की। उन्होने 1942 स्वतंत्रता आन्दोलन मे सक्रिय भाग लिया और ''भारत छोडो आन्दोलन'' के दौरान जेल गए। वह 1962 मे सयुक्त पजांब विधान सभा तथा 1968,1972 और 1977 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये। वह 1966–1967,

1968–1977 ओर 1981–82 के दौरान मंत्री रहे। वह 1996 से 1998 तक राज्य सभा के सदस्य भी रहे। उन्होने दे ा विदे ाो का दौरा किया।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक और योग्य सांसद की सेवाओ से वचित हो गया है। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, इसी के साथ हरियाणा भूतपूर्व मंत्री श्री मेहर सिंह राठी , हरियाणा के भूतपूर्व सांसद श्री नेकी राम , सांसद तथा सयुक्त पजांब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य कामरेड भान भौरा , हरियाणा के भूतपूर्व सांसद श्री साधु राम सैनी, हरियाणा के भूतपूर्व सदस्य श्री रामे वर दत भाास्त्री , हरियाणा विधान सभा की भूतपूर्व सदस्य श्रीमती बंसन्ती देवी, हरियाणा के स्वतन्त्रता सेनानी, हरियाणा के महान भाहीद, मक्का दुर्घटना और , हरियाणा के ि ाक्षा राज्य मंत्री श्री बहादुर सिंह के बडे भाई, चौधरी धन्ना राम के दुखद निधन पर गहरा भाोक पकट करता है और भाोक संतप्त परिवारो के सदस्यो के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्य गण, सदन के नेता श्री औमप्रका ा चौटाला जी ने भाोक प्रस्ताव सदन मे रखा है और दिवंगतो आत्माओ के प्रति विभिन्न पार्टियो के नेताओ ने जो

विचार प्रकट किए, मै भी अपने आप को उनकी भावनाओ के साथ जोडता हू। पिछले सै ान और इस सै ान के बीच मे हमारे बीच मे बहुत सी महान विभूतियो चली गई है। सबसे पहले मै प्रस्ताव केन्द्रीय मंत्री श्री मुरासोली मारन, केन्द्रीय मंत्री के दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। वह पांच बार लोक सभा के लिए और तीन बार राज्य सभा के सदस्य रहे। उन्होने तीन बार केन्द्रीय मंत्री के पद को सु ाोभित किया। उन्होने अपने जीवनकाल मे विभिन्न पदो पर रहते हुए राश्ट्र की महती सेवा की। उनका नाम पत्रकारिता, साहित्य और फिल्म निर्माण के क्षेत्रो मे भी कार्य किया है। केन्द्रीय मंत्री के रूप मे भी उनकी सेवा को भुलाया नही जा सकता। उनके निधन ने एक योग्य प्र ाासक व एक अनुभवी विधायक खो दिया।

भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री रामकृश्ण हेगडे, के हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। उन्होने स्वतंत्रता आन्दोलन मे सक्रिय भाग लिया और ''भारत छोडो आन्दोलन'' के दौरान जेल गए। कर्नाटन राज्य की राजनीति मे उनका अपना ही महत्वपूर्ण स्थान था। केन्द्र में भी उनहोने राजनीति के क्षेत्र मे अहम भूमिका निभाई। वे राज्य सभा के सदस्य, केन्द्रीय मंत्री और योजना आयोग के उपाध्यक्ष भी रहे। केन्न्द्रीय मंत्री के रूप मे उनके योगदान को हमे ाा ही सराहा जाता था।

भूतपूर्व भाजपा अध्यक्ष श्री कु ााभाऊ ठाकरे, भारू से ही एक प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता थे। जनसंघ की स्थापना मे

उनका महत्वपूर्ण योगदान था और वे दो बार भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष रहे। वे जनता दल के अध्यक्ष भी रहे। समाज कल्याण और राजनीति के क्षेत्र मे उनका महत्वपूर्ण स्थान था। उनके निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू।

श्री बंलवत राय तायल हरियाणा भूतपूर्व मंत्री थे उन्होने स्वतंत्रता आन्दोलन मे सक्रिय भाग लिया और ''भारत छोडो आन्दोलन'' के दौरान जेल गए। वह गान्धी जी के अनुयायी थे वह दो बार सयुक्त पजांब विधान सभा के सदस्य चुने गये। वह दो बार हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये और 1979–80 के दौरान मंत्री पद को सु ाोभित किया। वे एक अनुभवी विधायक और योग्य प्र ाासक थे। उनके निधन पर भी मै गहरा भाोक प्रकट करता है।

श्री कन्हैया लाल पोसवाल हरियाणा भूतपूर्व मंत्री थे, उनके निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। उन्होने विधि स्नातक की डिग्री प्राप्त की। उन्होने 1942 स्वतंत्रता आन्दोलन मे सक्रिय भाग लिया और ''भारत छोडो आन्दोलन'' के दौरान जेल गए। वे तीन बार हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये और वे सयुक्त पजांब विधान सभा के सदस्य रहे। उन्होने इस प्रदे ा के मंत्री के रूप मे भी काफी समय तक सेवा की। वे राज्य सभा के सदस्य भी रहे। उनके निधन से दे ा एक अनुभवी विधायक और योग्य सांसद की सेवाओ से वचित हो गया है।

हरियाणा भूतपूर्व मंत्री श्री मेहर सिंह राठी के निधन पर भी मुझे गहरा भाोक है वे गरीब तथा दलित लोगो की सेवा के लिए हमे ाा तत्पर रहते थे।

हरियाणा के भूतपूर्व सांसद श्री नेकी राम ने स्वतन्त्रता आन्दोलन मे सक्रिय भाग लिया और वे गांधरी जी के अनुयायी थे। वह दो बार राज्य सभा के सदस्य रहे और एक बार हरियाणा विधान सभा के सदस्य रहे। उनके निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू।

सांसद तथा सयुक्त पजांब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य कामरेड भान भौरा के निधन पर भी मुझे गहरा दुख है। वे दो बार सभा के लिए चुने गए।

हरियाणा के भूतपूर्व सांसद श्री साधु राम सैनी के निधम पर मै अपना भाोक प्रकट करता हू। वे दो बार सयुक्त पजांब विधान सभा के सदस्य रहे। उन्होने स्वतन्त्रता आन्दोलन मे भाग लिया और जेल गये। वह हरियाणा स्वतन्त्रता सेनानी सम्मान समिति के चेयरमैन भी रहे। उनके निधन पर भी मुझे बहुत दुख है।

हरियाणा के भूतपूर्व सदस्य श्री रामे वर दत भाास्त्री के निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हू। उन्होने स्वतन्त्रता आन्दोलन मे भाग लिया और 1967 मे हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए।

हरियाणा विधान सभा की भूतपूर्व सदस्य श्रीमती बंसन्ती देवी इसी सदन की सदस्य रही । सैनिको और भूतपूर्व सैनिकोू की पत्नियो के कल्याण मे उनका काफी योगदान था। उनके निधन पर भी मै गहरा भाोक प्रकट करता हू।

इसके अतिरिक्त हरियाणा के स्वतन्त्रता सेनानी और भाहीदो के बारे मे मुख्यमंत्री जी ने जो नाम लिए है इन सभी स्वतन्त्रता सेनानियो और भाहीदो के हुए दुखद निधन पर गहरा भाोक है। कोई भी दे ा स्वतन्त्रता सेनानियों और भाहीदो की सेवाओ को नही भूल सकता क्योकि इन्ही लोगो की कुर्बानी की वजह से हमे आजादी मिली और हमारे दे ा की सीमांए सुरक्षित है। इन लोगो को श्रद्धाजंलि देने का यही एक तरीका है कि हम दे ा की सेवा पूरे तन मन से करे। इन सब के निधन से दे ा सच्चे दे ाभक्त की सेवाओ से वचित हो गया है। ऐसे वीर भाहीदो के बलिदान से दे ा की अखण्डता बनी हुई है और हरियणा के वीर किसी भी तरीके से कम नही है।

मक्का दुर्घटना से मरने वाले श्रद्धालुओ के दुखद व असामयिक निधन पर भी मुझे गहरा भाोक है।

हरियाणा के ि ाक्षा राज्य मंत्री श्री बहादुर सिंह के बडे भाई, चौधरी धन्ना राम के दुखद निधन पर गहरा भाोक पकट करता है

मै परमपिता परमात्मा से दिवंगत आत्माओ को भाांति प्रदान करने की प्रार्थना करता हू और उन भाोक संतप्त परिवारो तक इस सदन की संवदेना पहुंचा दी जायेगी। अब मै दिवगंतो आत्माओ के सम्मान मे उन्हे श्रद्धाजलि देने के लिए दो मिनट का मौन धारण करने के लिए इस सदन के सभी सदस्यो को खडा होन के लिए अनुरोध करता हू।

(इस समय सदन के सदस्यो ने सभी दिवंगत आत्माओ के सम्मान मे खडे होकर दो मिनट का मौन धारण किया।)

घोशणाएं

(क) अध्यक्ष द्वारा –

(i) चेयरपर्सनज के नामो की सूची

Mr. Deputy Speaker: Hon'ble Members, under Rule 13(1) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, the Hon'ble Spaeker nominated the following members to serve on the Panel of Chairpersons:-

1. Sh. Puran Singh Dabra, MLA
2. Sh. Rajinder Singh Bisla, MLA
3. Sh. Balbir Pal Shah, MLA
4. Smt. Veena Chhibbar, M.L.A

(ii) याचिका समिति

Mr. Deputy Speaker: Hon'ble Members, under Rule 303 (1) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislatie Assembly, the Hon'ble Speaker nominated the following members to serve on the Committee on Petitions:-

1	Sh. Gopi Chand Gahlot, Deputy Speaker	Ex-officio Chairperson
2	Sh. Lila Krishan	Member
3	Smt. Veena Chhibbar	-do-
4	Sh. Rajinder Singh Bisla	-do-
5	Sh. Zalir Hussain	-do-

(ख) सचिव द्वारा –

राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए गए बिलो सबंधी

Mr. Speaker: Now, the Secretary will make a announcement.

सचिव: महोदय, मैं उन विधेयकों को दर्शाने वाला विवरण जो हरियाणा विधान सभा ने अपने सितम्बर, 2003 में हुए सत्र में पारित किए थे तथा जिन पर राज्यपाल महोदय ने अनुमति दे दी है, सादर सदन की मेज पर रखता हूं।

September Session, 2003.

1. The Haryana Apporpriation (No. 3) Bill, 2003.

2. The Haryana Apporpriation (No. 4) Bill, 2002.

3. The Haryana Municipal Corporation (Second Amendment) Bill, 2003

4. The Haryana Local Area Developement Tax (Amendment) Bill, 2003..

5. Punjab Entertainments Duty (Haryana Amendment) Bill, 2003.

6. The Haryana Urban Development Authority (Amendment) Bill, 2003.

7. The Punjab Scheduled Roads and Controlled Areas Restriction of Unregulated Development (Haryana Amendment) Bill, 2003.

8. The Punjab Now Capital (Oeriphery) Contorl (Haryana Amendment) Bill, 2003.

9. The Haryana State Industrial Security Force Bill, 2003.

10 The Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) Amendment Bill, 2003.

मान्यवर मैने सदन को सूचित करना है कि राश्ट्रपति ने ''हरियाणा लोकायुक्त विधेयक 1999 जिसे हरियाणा विधान सभा ने नवम्बर 1999 मे हुए अपने सत्र मे पारित किया था, अपनी अनुमति रोक ली है।

बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट पेश करना

Mr. Deputy Speaker: Hon'ble Members, now I report the time table of various Business fixed by teh Business Advisory Committee.

The Commitee meet at 9.30 A.M. on Monday, the 9th February, 2004 in the Chamber of the Hon'ble Speaker.

"The Committee recommends that unless the Speaker otherwise directs, the Assembly, whilst in session, shall meet on Tuesday, Wednesday, Thursday, and Friday at 9-30 A.M and adjourn at 1.30 P.M without question being put.

On Monday, the 9the February, 2004, the Assemble shall meet immediately half an hour after the conclusion of the Governor's Address and adjorun after conclusion of business entered in the list of Business for the day.

The Committee further recommeds that on Tuesday, the 10th February, 2004. the Assembly shall meet at 9.30 A.M and adjorun at 1.30 and shall meet again at 2.00 P.M and adjourn at 6.30 P.M without question being put. However, the Assembly shall meet on Monday, the 16th February, 2004 at 11.00 A.M and adjorn after the conclusion of the business entered in the list of Business for the day.

The Committee also recommeds that the on Tuesday the 17th February, 2004, the Assembly shall meet at 9.30 A.M and adjourn after the conculsion of the business entered in the list of Business for the day.

The Committee after some discussion also recommends that the business on 9th to 13th February, 2004,

and 16th and 17th February, 2004 be transacted by the Sabha as follows:-

The House will meet immediately Half an Hour after the conclustion of the Governor's Address on the 9th February, 2004	1.	Laying a copy of the Governor's Address on the table of the House
	2.	Obituary Referecnes.
	3.	Presentation and adoption of First Report of the Business Advisory Committee.
	4.	Papers to be laid/re-laid on the Table of the House.
	5.	Presentation of four Premliminary Reports of the Committee of Privileges and extension of time for presentation of the final reports

		thereon.
Tuesday, the 10th February, 2004 (9.30 A.M) (Ist Sitting)	1	Obituary Referecnes.
	2.	Motion Under Rule 22 (2)
	3.	Motion Under Rule 22 121
	4.	Discussion on Governor's Address.
	5.	Presentation, Disussion and Voting on Supplementary Estimates for the year 2003-2004 (2nd Instalment) and Report of the Estimates Committee thereon.
Tuesday, the 10th February, 2004 (2-00 P.M) (2nd Sitting)		Resumption of Discussion on Governor's Address.

Wednesday, the 11th February, 2004 (9-30 A.M)	1	Obituary Referecnes.
	2.	Motion Under Rule 22 (2)
	3.	Motion Under Rule 22 121
Thursday, the 12th February, 2004 (9.30 A.M)	1	Question Hour.
	2	Presentation of Budget Estimates for the year 2004-2005.
Friday, the 13th February, 2004 (9.30 A.M)	1.	Question Hou
	2.	Papers to be laid, if any.
	3.	General Discussion on Budget Estimates for the year 2004-2005.
Saturday, the 14th February, 2004		Holiday

Sunday, the 15th February, 2004		Holiday
Monday, the 16th February, 2004 (11.00 A.M)	1.	Question Hour.
	2..	Presentation of Reports of Assembly Committees.
	3.	Resumption of Discussion on Budget Estimates for the year 2004-2005 and reply by the Finance Minister thereon.
	4.	Discussion and Voting on Demands for Grants on Budgets Estimates for the year 2004-2005.
Tuesday, the 17th February, 2004 (9.30 A.M.)	1.	Question Hour.
	2.	Motion Under Rule 15 regarding Non

		Stop sitting
	3.	Motion Under Rule 16 adjornment of Sabha Sine die.
	4.	The Haryana Appropriation Bill, in respect of Supplementary Estimates for the year 2003-2004 (2nd Instalment)
	5.	The Haryana Appropriation Bill in respect of Budget Estimates for the year 2004-2005
	6.	Legislatvie Business.
	7.	Any other Business."

13.00 बजे

Now, the Parliamentary Affairs Minister will move the motion that this House agrees with the recommendation contained in the First Report of the Business Advisory Committee

Finance Minister (Prof Sampat Singh): Sir, I beg to move-

That this House agress with the recommedations contained in the First Report of the Business Adviosry Committee.

Mr. Speaker:

That this House agress with the recommedations contained in the First Report of the Business Adviosry Committee.

श्री करण सिंह दलाल (पलवल): अध्यक्ष महोदय, मैने नान आफि ियाल डे के लिए एक रैजोलू ान आपको भेजा था पिछले चार सालो से जब से यह विधान सभा कांस्टीच्यूट हुई है तब से आज तक एक भी नांन आफि ियल डे नही हुआ है। उसकी वजह से जो ि ाक्षा के सबंध मे सदस्य अपने सुझाव देना चाहते है, इरीगे ान के मामले मे अपने सुझाव देना चाहते है और दूसरे विशयो पर भी अपने सुझाव देना चाहते है इसलिए यह अव य होना चाहिए।

श्री अध्यक्ष: आपको रैजोलू ान मिला है लेकिन वह पैरामीटर पूरे नही करता इसिलए वह डिसअलाऊ कर दिया है।

Mr. Speaker: Question is-

That this House agress with the recommedations contained in the First Report of the Business Adviosry Committee.

The motion was carried.

एि ाया कप मे विजयी महिला हाकी टीम को बधाई

मुख्यमंत्री (श्री ओमप्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, मै आपकी अनुमति से सदन को एक नई जानकारी दूंगा जो हम लोगो के लिए गौरव की बात है कि वूमैन एि ायड की हाकी चैम्पियनि ाप मे हमारे दे ा की महिलाओ ने जापान की टीम को एक गोल से हरा कर जो विजय प्राप्त की है उसके लिए पूरे सदन की तरफ से मै उनको बधाई देता हू। अध्यक्ष महोदय, एक मात्र गोल करने वाली लडकी टीम की सबसे कम उमर की है जो हमारे प्रांत की है जिसका नाम कुमारी जसबीर कौर है। इसके अतिरिक्त हमारे ही प्रांत की तीन लडकियो इस टीम मे और है जिनका नाम सुरेन्द्र कौर, ममता खरब और सुमनबाला है। ममता खरब पहले भी ईनाम हासिल कर चुकी है। इन लडकियो ने प्रदे ा का नाम रो ान किया है। अध्यक्ष महोदय, मै आपकी अनुमति से और पूरे सदन की सहमति से प्रदे ा का नाम रो ान करने वाली इन लडकियो को सरकार की तरफ से एक एक लाख रूपये ईमान के तौर पर देना चाहूंगा और इनके कोच को भी 51 हजार रूपये ईनाम के रूप मे दिए **जायेगे। (इस समय मेजे थप थपाई गई)**

श्री कर्ण सिंह दलाल: अध्यक्ष महोदय, लेकिन सरकार ने तो घोशणा की हुई है कि अन्तर्राश्ट्रीय स्तर प्रथम स्थान लेने वाली खिलाडी को हरियाणा सरकार एक करोड रूपये ईमान के रूप मे देगी।

श्री अध्यक्षः दलाल साहब, अन्तर्राश्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान लेने वाले खिलाडी के लिए नही बल्कि ओलम्पिक मे प्रथम स्थान लेने वाले खिलाडियो को एक एक करोड रूपये देने की घोशणा की हुई है। प्लीज, आप बैठे।

वित मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह): स्पीकर साहब, दे ा मे हरियाणा पहला राज्य है जिसने अपनी स्पोट्र्स पांलिसी बनाई है। यह बात हर स्पोट्र्स पर्सन को ही नही बल्कि हिन्दुस्तान के हर नागरिक को पता है कि किस लैवल के खेलों मे कौन सा मैडल जीतने पर हरियाणा के खिलाडियों को हरियाणा सरकार की तरफ से क्या ईमान मिलेगा। हमने अपनी स्पोट्र्स पालिसी को इन्टरनैट पर भी जारी कर रखा है। हमारी स्पोट्र्स पांलिसी के अनुसार हरियाणा का जो खिलाडी ओलम्पिक मे स्वर्ण पद जीतता है उसे एक करोडश्र रूपये, एि ायाड गेम्ज के स्वर्ण पदक जीतने वाले को 10 लाख रूपये, कांमन वैल्थ मे स्वर्ण पदक जीतने वाले को 7 लाख रूपये और एि ाया चैम्पिनि ाप मे स्वर्ण पदक जीतने वाले को एक लाख रूपये का हरियणा सरकार की तरफ से ईमान स्वरूप दिए जाते है। इसके अतिरिक्त व्लर्ड चैम्पिनि ाप का अलग ईमान है और दूसरी चैम्पिनि ाप का अलग ईमान है। स्पीकर साहब, इसके अतिरिक्त मै सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार ने विकलागों व वैटन्र्ज खिलाडियो के लिए नकद ईमान रखा है। इस पालिसी के तहत पिछले चार साल मे पांच करोड रूपये के नकद ईनाम दिए जा चुके है। स्पीकर

साहब, इसके अतिरिक्त मै यह भी बताना चाहूंगा कि एक महीने के अंदर अदंर जितने भी हमारे ट्रेंडि ानजल गेम्ज है उनके खिलाडियो को सरकारी नौकरी देकर टीम तैयार करेगे ताकि इससे हमारी ट्रैडि ानल गेम्ज को बढावा मिले। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, प्लीज आप बैठे। (ाोर एवम व्यवधान)

सदन की मेज पर रखे गए/पुनः रखे गए कागज पत्र

Mr. Speaker: Now, a Minister will lay/re-lay papers on the Table of the House.

Finance Minister (Prof Sampat Singh): Sir, I beg to move-

The Punjab Passenger and Goods Taxation (Haryana Amendment) Ordiance, 2003 (Haryana Ordinance No. 3 of 2003.)

The Haryana Public Service Commission (Additional Functions) Amendment Ordiacne, 2003 (Haryana Ordinance No. 4 of 2003.)

The Punjab Ayurvedic and Unani Practitioners (Haryana Amendement and Validation) Ordinace, 2004 2003 (Haryana Ordinance No. 1 of 2004.)

The Haryana Development and Regulation of Urban Areas (Amendment) Ordiacne, 2004 (Haryana Ordinance No. 2 of 2004.)

Finance Minister (Prof Sampat Singh): Sir, I beg to re-lay on the Table of the House-

The Excise and Taxation Department Notification No. S.O 2/H.A 20/1973/S. 64/2003, dated the 7th February, 2003, regarding the Haryana General Sales Tax Rules, 1975, as requried under Sections 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

The Excise and Taxation Department Notification No. S.O 32/H.A 20/1973/S. 64/2003, dated the 11th March , 2003, regarding the Haryana General Sales Tax Rules, 1975, as requried under Sections 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

The Excise and Taxation Department Notification No. S.O 36/H.A 20/1973/S. 64/2003, dated the 26th March, 2003, regarding the Haryana General Sales Tax Rules, 1975, as requried under Sections 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

Finance Minister (Prof Sampat Singh): Sir, I beg to re-lay on the Table of the House-

The Excise and Taxation Department Notification No. S.O 129/H.A 6/2003/S. 60/2003, dated the 23 October, 2003, regarding the Haryana Value Added Tax Rules, 2003, as requried under Sections 64(4) of the Haryana Value Added Tax Rules, 2003,

The Excise and Taxation Department Notification No. S.O 132/H.A 13/2000/S. 26/2003, dated the 31st October, 2003, regarding the Haryana Local Area Development Tax Rule, 2001, as requried under Sections 27 of the Haryana Local Area Development Tax Act, 2000.

The Excise and Taxation Department Notification No. S.O 135/H.A 13/2000/S. 11/2003, dated the 13th November, 2003, regarding the Haryana Local Area Development Tax Rule, 2001, as requried under Sections 27 of the Haryana Local Area Development Tax Act, 2000.

The Parliamentary Affairs Department Notfication No. S.O 5/ H.A 9/1979/S. 8/2004, dated the 9th January, 2004, regarding the Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) Rules, 1979, as required under section 8(3) of the Haryana Legislative Assembly (Facilities to Members) Act, 1979

The Excise and Taxation Department Notification No. S.O 10/H.A 13/2000/S. 11/2004, dated the 22nd January, 2003, regarding the Haryana Local Area Development Tax Rule, 2001, as requried under Sections 27 of the Haryana Local Area Development Tax Act, 2000.

The Excise and Taxation Department Notification No. S.O 11/H.A 13/2000/S. 11/2004, dated the 22nd January, 2004, regarding the Haryana Local Area Development Tax Rule, 2001, as requried under Sections 27 of the Haryana Local Area Development Tax Act, 2000.

The Excise and Taxation Department Notification No. S.O 12/H.A 13/2000/S. 11/2004, dated the 22nd January,

2004, regarding the Haryana Local Area Development Tax Rule, 2001, as requried under Sections 27 of the Haryana Local Area Development Tax Act, 2000.

The 34th Annual Reports of the Haryana Ware houseing Corporation for the year 2000-2001, as required under Section 31(11) of of the Waterhouseing Corporation Act, 1962.

The 35th Annual Reports of the Haryana Ware houseing Corporation for the year 2001-2002, as required under Section 31(11) of of the Waterhouseing Corporation Act, 1962.

The 29th Annual Reports of the Haryana Seeds Development Corporation Ltd. for the year 2002-2003, as required under Section 619-A (3) (b) of the companies Act, 1956

The Annual Report of Haryana Chaudhary Chara Singh Haryana Agricultural University, Hisar for the year 1998-1999, as required under Section 39(3) of the Haryana and Punjab Agricultral University Act, 1970.

The Memorandum of Action Taken on the Annual Report of National Human Rights Commision for the year 1998-99, as required under section 20(2) of the Protection of Human Rights Act, 1993.

The Annual Report of the working of Haryana Public Service Commission for the year 2001-2002, as required under Section under Article 323(2) of the Constitution of India.

The 35th Annual Reports of the Haryana State Industrial Development Corporation for the year 2001-2002, as required under Section 619(A) of the Compaines Act, 1956.

The Audit Reports on the Aconts of Haryana Financial Corporation for the year 2001-2002, as required under Section 37(A) of of the State Haryana Financial Corporation Act, 1951.

विशेशाधिकार मामलों के संबंध में विशेशाधिकार समिति के प्रारम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अन्तिम प्रति4वेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाना

(i) श्री रघुबीर सिंह, एम.एल.ए. के विरूद्ध

Mr. Deputy Speaker: Now, Sh. Bhagwan Sahai Rawat, Chairperson Privileges Committee will present the Second Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of Privilege given notice of by Shri Puran Singh Dabra, MLA and Sh. Padam Singh, MLA and Shri Padam Singh Dahiya, M.L.A against Shri Jai Parkash, Barwala M.L.A regarding taking of mock Chair in the well of the House and Showing himself as Speaker of teh Assembly, defying the orders of the Chair and challenging and protesting against the ruling of the Chair constantly, thus, committing the contempt of the House/Breach of privilege etc. by Shir Jai Parkash Barwala, M.L.A on 5th March, 2002 and will also move that the time for the presentaiton of the final report to the House be extended upto the first sitting the next Session.

Sh. Bhagwan Sahai Rawat, (Chairperson Privileges Committee): Sir I beg to present the Second Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of Privilege given notice of by Shri Puran Singh Dabra, MLA and Sh. Padam Singh, MLA and Shri Padam Singh Dahiya, M.L.A against Shri Jai Parkash, Barwala M.L.A regarding taking of mock Chair in the well of the House and Showing himself as Speaker of the Assembly, defying the orders of the Chair and challenging and protesting against the ruling of the Chair constantly, thus, committing the contempt of the House/Breach of privilege etc. by Shir Jai Parkash Barwala, M.L.A on 5th March, 2002.

Sir, I also beg to move –

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

Mr. Deputy Speaker: Motion moved –

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

Mr. Deputy Speaker: Question is –

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

The motion was carried.

(ii) श्री कर्ण सिंह दलाल एम.एल.ए. के विरूद्ध

Mr. Deputy Speaker: Now, Sh. Bhagwan Sahai Rawat, Chairperson Privileges Committee will present the Second Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of Privilege given notice of by Sh. Rajinder, MLA and Sh. Ram Kuwar Saini, against Sh. Karan Singh, Dalal MLA for obstuting and makingu called for remakrs against. His Excllling the Governor on 4th March 2002, and helping greatly Shri Jai Parkash Barwala, MLA in taking mock chair in the well of the House at the time when the Sabha was in Session on 5th March, 2002 and thereby committing the contempt of the House/Breach of privilege etc. by Shir Jai Parkash Barwala, M.L.A on 5th March, 2002 and will also move that the time for the presentaiton of the final report to the House be extended upto the first sitting the next Session.

Sh. Bhagwan Sahai Rawat, Chairperson Privileges Committee: Sir I beg to present the Second Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of Privilege given notice of Sh. Rajinder, MLA and Sh. Ram Kuwar Saini, against Sh. Karan Singh, Dalal MLA for obstuting and makingu called for remakrs against. His Excllling the Governor on 4th March 2002, and helping greatly Shri Jai Parkash Barwala, MLA in taking mock chair in the well of the House at the time when the Sabha was in Session on 5th March, 2002.

Sir, I also beg to move –

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

Mr. Deputy Speaker: Motion moved –

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

Mr. Deputy Speaker: Question is –

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

The motion was carried.

(iii) कैप्टन अजय सिंह यादय, श्री धर्मबीर सिंह तथा श्री जगजीत सिंह सांगवान, एम.एल.एज. के विरूद्ध

Mr. Deputy Speaker: Now, Sh. Bhagwan Sahai Rawat, Chairperson Privileges Committee will present the Second Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of Privilege given notice of by Sh. Bahagi Ram , MLA and Sh. Pawan Kumar MLA for coming to/remaining to the well of the House, trying of manahandle the Watch and Ward Staff and throwing a book towards the Chair by Capt. Aajy Singh Yadav, M.L.A breaking a light box while rushing to the well of the House, caushing damage to the Government property by Shri Dharambir Singh, M.L.A and using unparlimamentary words and uncalled for remarks etc. in the House by Shir Jagjit

Singh Sangwan, M.L.A and thereby committing the contempt of the House/Breach of privilege etc. by Capt. Ajay Singh Yadav, M.L.A Shri Dharamvir Singh, M.L.A and Shri Jagjit Singh Sangwan, M.L.A on on 5th March, 2002 and will also move that the time for the presentaiton of the final report to the House be extended upto the first sitting the next Session.

Sh. Bhagwan Sahai Rawat, Chairperson Privileges Committee: Sir I beg to present the Second Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of Privilege given notice of by by Sh. Bahagi Ram , MLA and Sh. Pawan Kumar MLA for coming to/remaining to the well of the House, trying of manahandle the Watch and Ward Staff and throwing a book towards the Chair by Capt. Aajy Singh Yadav, M.L.A breaking a light box while rushing to the well of the House, caushing damage to the Government property by Shri Dharambir Singh, M.L.A and using unparlimamentary words and uncalled for remarks etc. in the House by Shir Jagjit Singh Sangwan, M.L.A and thereby committing the contempt of the House/Breach of privilege etc. by Capt. Ajay Singh Yadav, M.L.A Shri Dharamvir Singh, M.L.A and Shri Jagjit Singh Sangwan, M.L.A on on 5th March, 2002

Sir, I also beg to move –

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

Mr. Deputy Speaker: Motion moved –

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

Mr. Deputy Speaker: Question is –

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

The motion was carried.

(iv) डा0 रघुबीर सिंह कादियान, एम.एल.ए. के विरूद्ध

Mr. Deputy Speaker: Now, Sh. Bhagwan Sahai Rawat, Chairperson Privileges Committee will present the Second Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of Privilege given notice of by Dr, Sita Ram, M.L.A adn Shri Jasbir Mallour, M.L.A against Dr. Raghubir Singh Kadina M.L.A for coming to/remaining in the well of the House, tearing the book of Rules of Proceudre and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, leading to grave misconduct and grave disorder, breaking a light box in the House thereby committing contempt of the House/Breach of privilege etc. by Capt. Dr. Raghubir Singh Kadian, M.L.A Shri Dharamvir Singh, M.L.A and Shri Jagjit Singh Sangwan, M.L.A on on 5th March, 2002 and will also move that the time for the presentaiton of the final report to the House be extended upto the first sitting the next Session.

Sh. Bhagwan Sahai Rawat, Chairperson Privileges Committee: Sir I beg to present the Second Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of Privilege given notice of by Dr, Sita Ram, M.L.A adn Shri Jasbir Mallour, M.L.A against Dr. Raghubir Singh Kadina M.L.A for coming to/remaining in the well of the House, tearing the book of Rules of Proceudre and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, leading to grave misconduct and grave disorder, breaking a light box in the House thereby committing contempt of the House/Breach of privilege etc. by Capt. Dr. Raghubir Singh Kadian, M.L.A Shri Dharamvir Singh, M.L.A and Shri Jagjit Singh Sangwan, M.L.A on on 5th March, 2002

Sir, I also beg to move –

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

Mr. Deputy Speaker: Motion moved –

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

Mr. Deputy Speaker: Question is –

That the time for the presentation of the final Report to the House be extended up to the first sitting of the next session.

The motion was carried.

Mr. Deputy Speaker: Now, the House stands adjourned till 9.30 A.M. tomorrow, the 10th February, 2004.

13.18 hrs.

(The Sabha then *adjourned till 9.30 A.M. on Tuesday, the 10th February, 2004.)